रूस के हमले के कारण यूक्रेन में हर जगह बर्बादी का मंजर नजर आ रहा है। यूक्रेन में एक भीड़ भरे क्रैमेटोर्स्क रेलवे स्टेशन पर हुए रूस के मिसाइल हमले में बड़ी संख्या में लोग मारे गए जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। हालांकि रूस ने इस हमले में अपना हाथ होने से इन्कार किया है।


# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 115 दिनांकः 09-04-2022 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M




मुंबई हमले के मास्टर माइंड आतंकी हाफिज सईद को 31 साल जेल, पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालत ने सुनाया फैसला

## अब निजी केंद्रों में मिलेगी कोरोना की बूस्टर डोज लगवा सकेगा हर वयस्कः स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेजी से कम हो रही है और इस बीच इसके खतरे को पूरी तरह से खत्म करने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। रविवार यानी 10 अप्रैल से देश के हर वयस्क नागरिक को कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लगवाने की सुविधा रहेगी। यदि कोई व्यक्ति बूस्टर डोज लेना चाहता है तो फिर वह निजी केंद्रों में जाकर लगवा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक 18 साल से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति टीका लगवा सकता है। हालांकि यह बूस्टर डोज लेना अनिवार्य नहीं है। यह पूरी तरह से ऐच्छिक है। यदि किसी को बूस्टर डोज लेना जरूरी लगता है तो वह लगवा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि जिन लोगों की आयु 18 साल से अधिक है और दूसरी खुराक लिए हुए 9 महीने से ज्यादा का वक्त बीत गया है, वे प्रिकॉशन डोज ले सकते हैं। यह सुविधा निजी वैक्सीनेशन सेंटर्स पर उपलब्ध होगी। मंत्रालय ने कहा कि फिलहाल सरकारी केंद्रों पर पहली और दूसरी डोज लगाई जा रही है। इसके अलावा हेल्थकेयर वर्कर्स, फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 साल से ज्यादा आयु वाले लोगों को बूस्टर डोज भी इन केंद्रों पर दी जा रही है। इसके अलावा अन्य लोग जो भी बूस्टर डोज लेने के इच्छुक हैं, वे भी निजी वैक्सीनेशन सेंटर्स पर जाकर टीका लगवा सकते हैं। देश में 15 साल से अधिक आयु के 96 फीसदी लोगों को कोरोना वैक्सीन की कम से कम एक डोज लग चुकी है। इसके अलावा 83 फीसदी आबादी को दोनों टीके लग चुके हैं। देश में अब तक 2.4 करोड़ लोग कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज ले चुके हैं। इनमें से ज्यादातर लोग हेल्थकेयर वर्कर्स और फ्रंटलाइन वर्कर्स हैं। इसके अलावा 60 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों ने भी बड़ी संख्या में बूस्टर डोज ली है। हेल्थ मिनिस्ट्री का कहना है कि 12 से 14 साल की उम्र के 45 फीसदी लोगों को वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार की ओर से फ्री टीकाकरण अभियान पहली और दूसरी डोज के लिए जारी रहेगा। इसके अलावा 60 साल से अधिक आयु के लोगों और फ्रंट लाइन वर्कर्स को मुफ्त में बूस्टर डोज भी सरकारी केंद्रों में लगती रहेगी। गौरतलब है कि देश में तेजी से कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेजी से कम हो रही है और अब ऐक्टिव केसों की संख्या 12 हजार से भी कम रह गई है।

## आज का दिन इमरान खान के लिए बेहद अहम, नेशनल असेंबली ने अविश्वास प्रस्ताव को लेकर सत्र आयोजित करने का दिया आदेश

इस्लामाबाद । शनिवार का दिन इमरान खान के लिए बेहद अहम होने जा रहा है। शनिवार को ही इमरान खान के सियासी भाग्य का फैसला होगा। इस बीच, पाकिस्तान के नेशनल असेंबली सचिवालय ने शुक्रवार को इमरान खान के खिलाफ शनिवार सुबह साढ़े दस बजे अविश्वास प्रस्ताव को लेकर सत्र आयोजित करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को डिप्टी स्पीकर के फैसले को खारिज कर दिया। कोर्ट ने अविश्वास प्रस्ताव की अस्वीकृति के बाद उठाए गए सभी कदमों को रद कर दिया और नेशनल असेंबली को बहाल कर दिया। कोर्ट ने यह भी घोषणा की कि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री और सलाहकार आदि 3 अप्रैल तक अपने-अपने कार्यालयों में बहाल हो जाएंगे।

गुरूवार को कोर्ट ने अपने फैसले में सुनाया कि अविश्वास प्रस्ताव पर नेशनल असेंबली का सत्र शनिवार को होना चाहिए और प्रस्ताव पर मतदान होने तक स्थगित नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर अविश्वास प्रस्ताव के परिणामस्वरूप इमरान खान को हटाया जाता है, तो उसी सत्र में सदन के नए नेता का चुनाव किया जाना चाहिए।

बता दें कि सत्ताधारी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के कुछ सहयोगियों के अलग होने के बाद इमरान खान की कुर्सी खतरे में आ गई है। पीटीआइ के कई सदस्य भी इमरान खान से बागी भी हो गए हैं। वहीं, अब विपक्ष के पास अविश्वास प्रस्ताव के लिए पर्याप्त संख्या बनी हुई है।

सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान पर मिली जीत के बाद विपक्ष काफी उत्साहित दिखाई दे रहा है। यही वजह है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग- नवाज के अध्यक्ष शाहबाज शरीफ ने बलूचिस्तान में होने वाले चुनाव को टालने की मांग की है। पाकिस्तान के इमरान सरकार को कड़ा झटका देते हुए गुरूवार को सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में सुनाया कि अविश्वास प्रस्ताव पर नेशनल असेंबली का सत्र शनिवार को होना चाहिए और प्रस्ताव पर मतदान होने तक स्थगित नहीं किया जाना चाहिए।

## आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव

- रेपो रेट चार फीसदी पर बरकरार, रिवर्स रेपो रेट 3.35 फीसदी रहेगी

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नए वित्त वर्ष 2022-23 की पहली बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। यानी अभी भी रेपो रेट चार फीसदी ही रहेगा। इसके साथ ही रिवर्स रेपो रेट को 3.35 फीसदी रखा गया है। गौरतलब है कि ये लगातार 11वीं बार है, जबकि आरबीआई ने रेपो दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। गौरतलब है कि आरबीआई ने आखिरी बार 22 मई 2020 को नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव किया था। तीन दिवसीय आरबीआई मॉनिटरी पॉलिसी बैठक के नतीजों की घोषणा आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों की सहमति से इस बार भी रेपो दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि सप्लाई चेन को लेकर वै?श्विक बाजार दबाव में है। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अपने जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि ग्रोथ के अनुमान को घटाकर 7.2 फीसदी किया जा रहा है। पहले यह अनुमान 7.8 फीसदी जताया गया था।

आरबीआई के अनुसार वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ग्रोथ अनुमान 16.2 फीसदी, दूसरी तिमाही में 6.2 फीसदी और तीसरी तिमाही में 4.1 फीसदी, जबकि चौथी तिमाही में चार फीसदी रखा गया है। इसके साथ ही कच्चे तेल का अनुमान 100 डॉलर प्रति बैरल रखा गया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी भी बड़ी चिंता का विषय है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि इस वित्त वर्ष में महंगाई का औसत अनुमान 5.7 फीसदी जताते हुए कहा कि देश में महंगाई बढ़ रही है और ग्रोथ रेट कम हो रहा है। ऐसे में हमारे सामने दोहरी चुनौती है।

गवर्नर दास ने कहा कि आर्थिक स्थिरता की राह में फिलहाल महंगाई सबसे बड़ा जोखिम है। अगले कुछ समय तक खाद्य तेलों की महंगाई दर ऊपर ही रहेगी जबकि कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बने रहने का अनुमान है। वै?श्विक बाजार में क्रूड के दाम नीचे आने तक भारत पर महंगाई का खास दबाव दिखेगा, जिससे हमारे आर्थिक सुधारों पर भी असर पड़ेगा। पहली चालू वित्तवर्ष की पहली तिमाही में विकास दर 16.2 फीसदी रहने का अनुमान है। यह तेजी पिछले साल आई गिरावट के अनुपात में दिख रही है. हालांकि, जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में विकास दर 6.2 फीसदी, तीसरी तिमाही में 4.1 फीसदी और चौथी तिमाही में 4 फीसदी रहने का अनुमान है।

## पीएम आवास योजना में तीन करोड़ से अधिक पक्के घरों का निर्माण पूरा : पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे महातावाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़ी सफलता प्राप्त की है। केंद्र सरकार पीएम आवास योजना के तहत तीन करोड़ से ज्यादा पक्के घरों का निर्माण कर चुकी है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने खुद इसकी जानकारी दी है। मोदी ने शुक्रवार सुबह एक ट्वीट कर केंद्र सरकार की इस उपलब्धि के बारे में बताया है। पीएम ने इसे महिला सशक्तिकरण का प्रतीक कहा है। मोदी ने ट्वीट कर कहा, 'देश के हर गरीब को पक्का मकान देने के संकल्प में हमने एक अहम पड़ाव तय कर लिया है। जन-जन की भागीदारी से ही तीन करोड़ से ज्यादा घरों का निर्माण संभव हो पाया है। मूलभूत सुविधाओं से युक्त ये घर आज महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी बन चुके हैं।' पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत अब तक गरीबों के लिए 2.52 करोड़ पक्के घरों का निर्माण पूरा हो चुका है। इसके लिए केंद्र सरकार की तरफ से 1.95 लाख करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की जा चुकी है। इस योजना में प्रत्येक लाभार्थी को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस कनेक्शन की सुविधा भी दी गई है।

इसके अलावा पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत कुल 58 लाख पक्के मकानों का निर्माण किया जा चुका है। इसके लिए अब तक 1.18 लाख करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। पीएम आवास योजना की खासियत है कि इसके तहत मिलने वाले घरों का मालिक महिला सदस्य या संयुक्त को बनाया जाता है। साथ ही हर घर में शौचालय, रसोई, पानी और बिजली की सुविधा भी दी गई है।

## डीआरडीओ ने ओडिशा तट पर सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट तकनीक का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा 8 अप्रैल को ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) बूस्टर तकनीक का सफल परीक्षण किया गया। इस दौरान परीक्षण के लिए इस्तेमाल की गई जटिल मिसाइल प्रणाली में शामिल सभी महत्वपूर्ण घटकों के विश्वसनीय कामकाज का सफलतापूर्वक प्रदर्शन हुआ और मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया गया। एसएफडीआर-आधारित प्रपल्शन मिसाइलों को सुपरसोनिक गति से बहुत लंबी दूरी पर हवाई खतरों को रोकने में सक्षम बनाता है। आईटीआर द्वारा तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा प्राप्त किए गए डेटा से इस प्रणाली के सफल प्रदर्शन की पुष्टि हुई है। एसएफडीआर को हैदराबाद की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला द्वारा अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं जैसे हैदराबाद की अनुसंधान केंद्र इमरत और पुणे की उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित किया है।

## लाउडस्पीकर विवाद, तय सीमा से अधिक आवाज पर होगी कार्रवाई, कर्नाटक के गृह मंत्री ने दी सख्त चेतावनी

बेंगलुरु । कर्नाटक में लाउडस्पीकर विवाद के बीच राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने राज्य के धार्मिक संस्थानों को लाउडस्पीकर की आवाज को लेकर नोटिस जारी किया है। नोटिस की अवहेलना करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। कर्नाटक में कई संगठनों ने मस्जिदों में अजान के लिए तेज आवाज में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने कहा है कि इस तरह की नीति को लागू करने से राज्य में भारतीय जनता पार्टी का अंत हो जाएगा। कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने भी राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि अजान मामले में मुसलमानों को परेशान किया जा रहा है।

बेंगलुरु पुलिस ने 301 मस्जिदों, मंदिरों, चर्चों और अन्य प्रतिष्ठानों को लाउडस्पीकर का उपयोग अनुमेय डेसिबल स्तर के भीतर करने के लिए नोटिस जारी किया। 301 नोटिसों में से 59 पब, बार और रेस्तरां को, 12 उद्योगों को, 83 मंदिरों को, 22 चर्चों को और 125 शहर भर में मस्जिदों को दिए गए हैं। आइएएनएस के अनुसार मंदिरों और धार्मिक मेलों में मुस्लिम व्यापारियों पर प्रतिबंध की मांग के बाद हिंदू संगठनों ने एक और अभियान शुरू किया है। भारत रक्षा वेदिके के प्रशांत बंगेरा ने शुक्रवार को हिंदुओं से अपील की कि वे तीर्थ यात्रा के लिए मुस्लिम ड्राइवरों को अपने साथ न ले जाएं। उन्होंने मुस्लिम परिवहन कंपनियों के स्वामित्व वाले वाहनों का उपयोग नहीं करने का भी आह्वान किया। श्री राम सेना ने इस आह्वान का समर्थन किया।

प्रेट्र के अनुसार कर्नाटक के कुछ दक्षिणपंथी संगठन कई ब्रांडों द्वारा उत्पादों के लेबल पर हलाल का प्रमाण प्रदर्शित करने को लेकर विरोध कर रहे हैं। इन संगठनों ने कहा कि उनका अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक उत्पादों पर इस तरह के प्रमाणन के प्रदर्शन पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाता। हिंदू जनजागृति समिति के राज्य प्रवक्ता मोहन गौड़ा द्वारा साझा की गई सूची में आइआरसीटीसी, एयर इंडिया, महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के अलावा चिकन उत्पाद, शीतल पेय, आटा और चाकलेट ब्रांड शामिल हैं। कर्नाटक में कई संगठनों ने मस्जिदों में अजान के लिए तेज आवाज में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने कहा है कि इस तरह की नीति को लागू करने से राज्य में भारतीय जनता पार्टी का अंत हो जाएगा।

गौड़ा ने कहा, हम हलाल प्रमाणीकरण के खिलाफ कानूनी सहारा लेने जा रहे हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) ने किसी को भी हलाल प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अधिकृत नहीं किया है, लेकिन फिर भी कंपनियां छह निकायों से संपर्क करती हैं जो प्रमाण पत्र जारी करती हैं।

## अधिक बच्चे पैदा नहीं किये तो 2029 में हिंदू-विहीन हो जाएगा भारत

-जमानत पर जेल से बाहर आए नरसिंहानंद का एक और विवादित बयान

मथुरा( ईएमएस )। गाजियाबाद की डासना जेल से जमानत पर बाहर चल रहे संत यति नरसिंहानंद ने मथुरा पहुंचकर एक और विवादित बयान दे डाला। यति नरसिंहानंद ने कहा आने वाले दशकों में देश को हिंदू-विहीन बनने से रोकने के लिए हिंदुओं को अधिक बच्चे पैदा करने चाहिए। संत यति नरसिंहानंद हरिद्वार में अभद्र भाषा मामले में गाजियाबाद जेल में बंद चल रहे थे। मथुरा के गोवर्धन पहुंचे नरसिंहानंद ने कहा, गणितीय गणना बताती है कि 2029 में एक गैर-हिंदू प्रधानमंत्री बन जाएगा।

उन्होंने कहा, अगर एक बार एक गैर-हिंदू प्रधानमंत्री बन जाता है, तो 20 साल में यह देश 'हिंदू-विहीन' राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व को जगाने के लिए 12 अगस्त से 14 अगस्त तक मथुरा-गोवर्धन क्षेत्र में धर्म संसद का आयोजन किया जाएगा। नरसिंहानंद को गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था, जब उन्होंने पिछले साल 17-19 दिसंबर से हरिद्वार में एक धर्म संसद का आयोजन किया था, जहां मुसलमानों के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिए गए थे। उन्होंने पिछले रविवार को दिल्ली के बुरारी मैदान में एक 'हिंदू महापंचायत' में भी हिस्सा लिया और टिप्पणी की कि अगर कोई मुसलमान भारत का प्रधानमंत्री बनता है तो 50 प्रतिशत हिंदू धर्मांतरित हो जाएंगे और हिंदुओं को अपने अस्तित्व के लिए लड़ने के लिए हथियार उठाने को बाध्य होना पड़ेगा।

## बेंगलुरु के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी पर सीएम बोम्मई ने कहा- राज्य में शांति भंग करने की साजिश

नई दिल्ली । बेंगलुरु के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी से पूरे राज्य में अफरा-तफरी मची हुई है। हालांकि धमकी भरे ई-मेल की शुरूआती जांच में इसे फर्जी बताया गया है। बता दें कि बेंगलुरू के कई निजी स्कूलों को शुक्रवार को ई-मेल के जरिए बम विस्फोट की चेतावनी दी गई थी। इस पूरे प्रकरण पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा कि यह सब सिर्फ राज्य की शांति भंग करने की साजिश है।

शुक्रवार को बम विस्फोट की धमकी से भरे ईमेल पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा, 'राज्य में शांति भंग करने की साजिश की जा रही है। कर्नाटक एक प्रगतिशील राज्य है और कुछ तत्व बार-बार इस छवि को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने इन मामलों पर गंभीरता से विचार करने का निर्देश दिया है।'

## 30 जून से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा, 11 अप्रैल से किए जाएंगे रजिस्ट्रेशर्न

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए खुशखबरी है। कोरोना के कारण दो साल से बाबा बर्फानी के दर्शन नहीं कर पाए श्रद्धालु इस बार अमरनाथ यात्रा पर जा सकेंगे। यह यात्रा 30 जून से शुरू होगी और 11 अगस्त तक चलेगी। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने इस बार पुख्ता प्रबंध किए हैं। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के सीईओ नीतिश्वर कुमार ने बताया कि अमरनाथ यात्रा के लिए इस बार रजिस्ट्रेशन 11 अप्रैल से शुरू हो जाएंगे। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन देश भर में विभिन्न बैंकों के अलावा श्राइन बोर्ड की वेबसाइट और मोबाइल एप के जरिए ऑनलाइन भी की जा सकती है। जम्मू-कश्मीर के रामबाण में इस बार एक यात्री निवास बनाया गया है। यात्री निवास में 3000 श्रद्धालु ठहर सकेंगे। श्राइन बोर्ड का कहना है कि इस बार अमरनाथ यात्रा पर देश-विदेश से करीब 300000 श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। यात्रा के लिए 75 साल से कम और 13 साल से अधिक उम्र के व्यक्ति रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

## शिखर धवन ने रचा इतिहास, T20 क्रिकेट में 1000 चौके लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के 15वें लीग मैच में पंजाब किंग्स के ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 30 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 35 रन की पारी खेली। इन चार चौकों की मदद से धवन ने भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक कमाल का रिकार्ड अपने नाम पर दर्ज करते हुए इतिहास रच दिया। शिखर धवन अब भारत की तरफ से टी20 क्रिकेट में 1000 चौके लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

शिखर धवन ने टी20 क्रिकेट में बतौर भारतीय बल्लेबाज 1000 चौके पूरे किए और वो ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने। यही नहीं आइपीएल में भी शिखर धवन चौके लगाने के मामले में पहले नंबर पर हैं। हालांकि वर्ल्ड क्रिकेट की बात की जाए तो धवन टी20 क्रिकेट में 1000 चौके पूरे करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं। धवन से पहले ये कमाल क्रिस गेल, एलेक्स हेल्स, डेविड वार्नर और आरोन फिंच कर चुके हैं। वहीं भारत की तरफ से टी20 क्रिकेट में चौके के इस आंकड़े को छूने वाले धवन पहले बल्लेबाज बन गए।

टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले टाप 5 बल्लेबाज-

क्रिस गेल- 1132 चौके ,एलेक्स हेल्स- 1054 चौके, डेविड वार्नर- 1005 चौके,आरोन फिंच- 1004 चौके, शिखर धवन- 1001 चौके, भारत की तरफ से टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले टाप चार बल्लेबाज-1001 चौके- शिखर धवन,917 चौके- विराट कोहली,875 चौके- रोहित शर्मा, दिल्ली के तेज गेंदबाज एनरिच नार्खिया (फोटो ट्विटर पेज) शिखर धवन के आइपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने इस लीग में अब तक 196 मैचों में सबसे ज्यादा कुल 668 चौके लगाए हैं। वहीं उनके नाम पर 5911 रन भी दर्ज है जिसमें 2 शतक और 44 अर्धशतक भी हैं। आइपीएल में धवन का बेस्ट स्कोर नाबाद 106 रन रहा है। धवन ने इस लीग में अब तक 127 चौके लगाए हैं।

### कार्टून कोना




## रेलवे स्टेशन पर रॉकेट अटैक, 30 की मौत, 100 से ज्यादा जख्मी

कीव (ईएमएस)। पूर्वी यूक्रेन के क्रामटोर्स्क रेलवे स्टेशन पर दो रॉकेटों के हमले में कम से कम 30 लोगों की मौत हुई और 100 से अधिक घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच निवासियों को निकालने के लिए स्टेशन का इस्तेमाल किया जा रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे कंपनी ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन में क्रामाटोर्स्क रेलवे स्टेशन पर दो रूसी रॉकेटों से टकराने से 30 से अधिक लोग मारे गए हैं और 100 से अधिक घायल हो गए हैं। डोनेट्स्क के गवर्नर, पावलो क्यारिलेंको का कहना है कि जब रॉकेट अटैक हुआ तब हजारों नागरिक स्टेशन पर थे और यूक्रेन के सुरक्षित इलाकों में जाने की कोशिश कर रहे थे। इससे पहले बताया गया था कि रेलवे लाइन पर एक हवाई हमले के बाद गुरुवार को निकासी प्रभावित हुई और ट्रेनें ब्लॉक रहीं। ताजा हमले को लेकर रूस ने अभी तक बयान नहीं दिया है।

इसके पहले यूक्रेन ने कहा था कि यूक्रेन के उत्तरी शहर से पीछे हटने के दौरान रूसी सैनिक अपने पीछे बर्बादी का मंजर छोड़ते गए। रूसी सैनिकों ने इमारतों को नुकसान पहुंचाया, सड़कों पर क्षतिग्रस्त कारें बिखरी थीं और आम लोग भोजन एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की कमी से जूझ रहे थे।

चेर्निहाइव में सहायता-वितरण केंद्र के रूप में सेवा कर रहे एक क्षतिग्रस्त स्कूल के बाहर खड़ी वैन से ब्रेड, डायपर और दवा प्राप्त करने के लिए दर्जनों लोग कतार में खड़े थे, जहां से पीछे हटने से पहले रूसी सेना का कई हफ्तों तक घेराव था। शहर की सड़कें क्षतिग्रस्त इमारतों से अटी पड़ी हैं जिनकी छतें या दीवारें गायब हैं।

## राहुल गांधी ने सरकार को किया आगाह, कहा- रूस जैसी हरकत चीन भी कर सकता है

नई दिल्ली (ईएमएस)। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यूक्रेन संकट का उल्लेख करते केंद्र की मोदी सरकार को आगाह किया है। दिल्ली में वह शरद यादव से मिलने पहुंचे थे और पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि रूस जैसी हरकत चीन भी कर सकता है। दरअसल, सरकार ने खुद स्वीकार किया है कि चीन देश के पावर ग्रिड को हैक करने की कोशिश कर रहा है। पिछले चार महीने में ही चीन ने 3 बार ऐसी कोशिश की लेकिन वह अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो पाया। जब यही सवाल राहुल से हुआ तो उन्होंने कहा कि चीन के मुद्दे पर विपक्ष संसद में डिबेट चाह रहा था लेकिन यह नहीं होने वाला।

यूक्रेन-रूस युद्ध का जिक्र कर राहुल ने कहा कि रूस कहता है कि हम डोनबास और लुगांस्क रीजन को यूक्रेन नहीं मानते हैं। उस आधार पर रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया। उन्होंने कहा कि आक्रमण का लक्ष्य नाटो, यूक्रेन और अमेरिका के एलांयस को तोड़ना है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यही प्रिंसिपल चीन हिंदुस्तान पर अप्लाई कर रहा है। जैसे रूस ने कहा है कि डोनबास और लुगांस्क यूक्रेन का नहीं है, वैसे ही चीन कह रहा है कि लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश आपका नहीं है और उन्होंने अपनी सेना बिठा रखी है। राहुल ने कहा कि सरकार इसे नजरअंदाज कर रही है लेकिन मॉडल उधर है और चीन उसे यहां लागू कर सकता है। लेकिन सरकार सच्चाई को स्वीकार नहीं कर रही है। अगर आपने सच्चाई को स्वीकार नहीं किया और तैयारी नहीं की तो जब मामला खराब होगा आप रीएक्ट नहीं कर पाएंगे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शरद यादव से मुलाकात करने के बाद महंगाई को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि लोग सोचते हैं कि महंगाई समाज की कंडीशन से अलग होती है। जिस देश में शांति-सौहार्द्र नहीं होता है, उस देश में महंगाई बढ़ेगी, उस देश में नफरत बढ़ेगी। इकॉनमी नहीं चल सकती है और न ही रोजगार मिल सकता है। अगर देश को मजबूत बनाना है तो सबसे बड़ी चीज शांति और सामाजिक सौहार्द्र है। बीजेपी के लोग सोचते हैं कि नफरत फैलाकर, लोगों को डराकर, लोगों को मारकर इंडिया की इकॉनमी को मजबूत किया जा सकता है, गलतफहमी में हैं।

राहुल बोले कि सच्चाई से कोई नहीं बच सकता। अस्थायी रूप से मॉडर्न पॉलिटिक्स में रिएलिटी से बचने का तरीका मीडिया है। मीडिया को आप 6 महीने, एक साल, दो साल....मीडिया के जरिए आप सच्चाई को दबा सकते हैं। लेकिन जब वह सच्चाई युवा के पेट तक पहुंचती है, उसके माता-पिता के पेट तक पहुंचती है तो फिर मीडिया उसे नहीं संभाल पाता है। पिछले 2-3 साल तक संस्थानों, मीडिया, बीजेपी और आरएसएस ने सच्चाई को छिपाया है। अब धीरे-धीरे सच्चाई बाहर निकलेगी। वही हुआ है श्रीलंका में, वहां सच्चाई आ गई है और हिंदुस्तान में भी सच्चाई आएगी। फर्क क्या है? हिंदुस्तान को बांटा गया है। देश में अलग-अलग ग्रुप्स बना दिए गए हैं। पहले यह एक देश हुआ करता था। अब अलग-अलग देश बना दिए हैं। एक इनका, एक उनका....और इन लोगों को एक दूसरे से लड़ाया जाता है। जब ये दर्द आएगा तो हिंसा आएगी। उन्होंने आगे कहा कि अभी मत मानो मेरी बात, दो तीन साल रुक जाओ फिर देख लेंगे।

सत्ता पक्ष ये कहता है कि उन्हें मैंडेट मिला हुआ है और इसलिए वे फैसले ले रहे हैं तो जनादेश विपक्ष के पास क्यों नहीं है? क्या आप देश की जनता को संतुष्ट नहीं कर पा रहे हैं। इस सवाल पर राहुल ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि देश के 100 प्रतिशत संचार माध्यमों पर कब्जा कर लिया गया है। मीडिया 100 प्रतिशत नियंत्रित है, सीबीआई-ईडी समेत अन्य प्रतिष्ठान संवाद को रोक रहे हैं। पहले लाउडस्पीकर सपा, तो कभी बसपा, कभी कांग्रेस तो कभी बीजेपी के पास चला जाता था लेकिन आज लाउडस्पीकर केवल संघ और बीजेपी के पास है। इस कंट्रोल को बाइपास कैसे किया जाए। जब सच्चाई लोगों के पेट पर लगेगी तो ये लाउडस्पीकर फेल हो जाएगा। हाल ही में शरद यादव आरजेडी में शामिल हुए। मुलाकात करने के बाद राहुल ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि शरद जी फिट हैं। इन्होंने मुझे राजनीति के बारे में बहुत सिखाया है। एक बार मैं इनके साथ गाड़ी में बैठा। हमारा आंध्र में कार्यक्रम था। मैं तीन घंटे तक इनके साथ गाड़ी में बैठा और उन तीन घंटों में शरद यादव जी ने जो मुझे बताया हिंदुस्तान की राजनीति के बारे में, वो मैं कभी भूल ही नहीं सकता।

## आकार पटेल को कोर्ट की इजाजत के बगैर नहीं मिलेगी विदेश जाने की इज़ाज़त

नई दिल्ली (ईएमएस)। एमनेस्टी इंडिया के पूर्व प्रमुख आकार पटेल को कोर्ट की इजाजत के बगैर देश से बाहर नहीं जा सकेंगे। कोर्ट ने इसके साथ ही, अमेरिका जाने से रोक दिए गए पटेल से सीबीआई द्वारा लिखित में माफी मांगने के अपने गुरुवार के आदेश पर भी रोक लगा दी। विदेशी चंदा नियमन अधिनियम के कथित उल्लंघन से जुड़े एक मामले में आकार के खिलाफ 'लुक आउट सर्कुलर' (एलओसी) वापस लेने का सीबीआई को निर्देश देने वाले आदेश पर भी कोर्ट ने रोक लगा दी।विशेष न्यायाधीश संतोष स्नेही मान ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर एक अर्जी पर यह आदेश जारी किया। दरअसल, याचिका के जरिये जांच एजेंसी ने बृहस्पतिवार को एक मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा जारी उस आदेश पर पुनर्विचार का अनुरोध किया था, जिसमें सीबीआई को पटेल से माफी मांगने को भी कहा गया था।

न्यायाधीश ने कहा कि यह जरूरी है कि सीबीआई की पुनर्विचार अर्जी पर पटेल को औपचारिक जवाब दाखिल करने का मुनासिब अवसर दिया जाए।अदालत ने कहा, ''दलील पेश किये जाने के दौरान निखिल गोयल (सीबीआई के वकील) ने इस बात का जिक्र किया कि प्रतिवादी ने कल देश से बाहर जाने की कोशिश की। ''अदालत ने लिखित में माफी मांगने संबंधी आदेश का सीबीआई निदेशक को अनुपालन करने से जुड़े निचली अदालत के निर्देश के क्रियान्वन पर रोक लगा दी। अदालत ने आदेश में कहा, ''यह इस शर्त के संबंध में भी है कि प्रतिवादी (पटेल) इस अदालत की इजाजत के बगैर देश से बाहर नहीं जाएंगे। अगले हफ्ते जवाब और दलील दी जाए। '' अदालत ने विषय की आगे की कार्यवाही 12 अप्रैल के लिए निर्धारित कर दी।

इससे पहले बृहस्पतिवार को अदालत ने जांच एजेंसी को फौरन एलओसी वापस लेने, पटेल से माफी मांगने तथा 30 अप्रैल तक एक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था।पटेल के वकील ने दावा किया कि उनके मुवक्किल को बृहस्पतिवार रात एक हवाई अड्डे पर फिर से रोका गया और उन्हें सूचित किया गया कि सीबीआई ने एलओसी वापस नहीं लिया है।

## जन हितैषी

# चीन की बेजा हरकत

पिछले माह जब चीन के विदेश मंत्री वांग यी अचानक भारत आए थे, तब लद्दाख के मसले को लेकर पहले एनएसए अजित डोभाल, फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उन्हें दो टूक सुनाई थी। एलएसी पर तनाव को लेकर भारत की तरफ से दी गई दलीलों पर उनका जवाब था, कि अब चीन इस मुद्दे को गंभीरता से लेगा और विवाद हल करने पर जोर देगा। हालांकि, वांग की इस बात को राजनीति जानकारों ने गंभीरता से नहीं लिया था। अब चीन की तरफ से जो ताजा हरकत सामने आई है, वह इसी बात पर मुहर लगाती है कि चीन कहने को कुछ भी कहे, मगर वह न तो कल भरोसे के लायक था और न आज है। चीन लद्दाख में अनुचित व आपत्तिजनक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक निजी खुफिया फर्म का दावा है कि उसने बीते आठ माह में कई बार लद्दाख के पास की पावर ग्रिड को निशाना बनाया है। यह फर्म विश्व के सरकारी हैकरों पर नजर रखने वाली सबसे बड़ी खुफिया कंपनियों में शुमार है। उसका कहना है कि चीनी हैकर पावर ग्रिड के सेंटरों के आसपास के बुनियादी ढांचे की जानकारी जुटाना चाह रहे थे। बिजली केंद्रों में चीनी घुसपैठ का उद्देश्य इन जटिल प्रणालियों के बारे में जानकारी हासिल करना भी हो सकता है, ताकि भविष्य में इनके उपयोग की क्षमता विकसित की जा सके। दुनियाभर में साइबर अटैक के मामले बढ़ रहे हैं। पिछले साल अमेरिका में रैनसमवेयर अटैक के कारण लाखों लोग प्रभावित हुए थे। आस्ट्रेलिया में बिजली नेटवर्क पर साइबर अटैक के कारण लाखों लोग बिजली गुल होने की कगार पर पहुंच गए थे। रेकॉर्डेड फ्यूचर का कहना है कि पिछले साल फरवरी में, उसने 10 अलग-अलग भारतीय संगठनों के सिस्टम पर साइबर हमले की सूचना दी थी। दोनों देशों के बीच क्षेत्र में एलएसी को लेकर पहले से लंबा गतिरोध जारी है। रिपोर्ट आने के बाद केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने भी स्वीकार किया है कि चीनी हैकरों ने दो बार हमले का प्रयास किया था। ये हमले उत्तर भारत के केंद्रों पर खासतौर से किए गए। इनमें भी लद्दाख से लगी भारत-चीन सीमा इलाके में स्थित केंद्रों को ज्यादा निशाना बनाया गया। जांच में पाया गया कि भारतीय लोड डिस्पैच केंद्रों से दुनिया भर में फैले चीन के सरकारी कमांड और कंट्रोल सर्वरों को डेटा भेजा जा रहा है। रेकॉर्डेड फ्यूचर ने कहा कि पावर ग्रिड के केंद्रों को निशाना बनाने के अलावा चीन के सरकारी हैकरों ने भारत के आपात प्रतिक्रिया तंत्र पर भी धावा बोला। भारत चीन के बीच 3500 किलोमीटर लंबी सीमा है। इससे सटे कुछ क्षेत्रों को लेकर चीन दावा करता रहा है। दोनों देशों के बीच 1962 में जंग भी हो चुकी है। 2020 में एक बार फिर दोनों देशों में संघर्ष हुआ, जब लद्दाख में चीनी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। गलवान घाटी में हुए इस संघर्ष में चीन को भारी नुकसान उठाना पड़ा था, वहीं भारत के भी 20 जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद दोनों देशों की सेना बड़ी संख्या में वहां तैनात है। तनाव व सेना हटाने के लिए 15 बार सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता हो चुकी है, कुछ क्षेत्रों से सैन्य वापसी हो चुकी है, बाकी को लेकर चर्चा जारी है। गौरतलब है कि जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया था। इसमें भारत के चौबीस जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद चीन ने तेजी से वहां सैनिक जमा करने शुरू कर दिए और कुछ जगहों पर कब्जा भी जमा लिया। इस गतिरोध को दूर करने के लिए दोनों देशों के बीच अब तक 15 दौर की बातचीत हो चुकी है। पर हैरानी की बात यह है कि वार्ता के हर दौर में चीन कुछ न कुछ ऐसा अड़ियल रुख दिखाता रहा है जिससे गतिरोध कम होने का नाम ही नहीं ले रहा। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच गतिरोध जिस तरह से खिंचता जा रहा है, वह किसी भी रूप में अच्छा संकेत नहीं है। चीन के रवैये को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर कई मौकों पर अपनी चिंता और नाराजगी का इजहार कर चुके हैं। गलवान घाटी में संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर वार्ताओं के जितने भी दौर चले और उनमें चीन की ओर से जितने आश्वासन दिए गए, उनमें से उसने अपना एक भी वादा नहीं निभाया। ऐसे में उस पर कैसे भरोसा किया जा सकता है! न ही इस बारे में कोई अनुमान लगा पाना संभव है कि दोनों देशों के बीच यह मामला कब तक चलता रहेगा।

# क्यों सिमट रही है कांग्रेस!

सन 1984 में जिस कांग्रेस के लोकसभा में 404 सांसद थे ,आज वह 52 सांसदों पर क्यों सिमट गई है।इसी तरह एक एक कर राज्यो की सत्ता से भी कांग्रेस बाहर होती जा रही है।कई राज्यो में तो वहां की जनता कांग्रेस को लाना चाहती थी लेकिन कांग्रेस के नेता अपनी नासमझी या फिर आपस की लड़ाई से ऐसे निर्णय ले बैठते है जिससे लगता है अबोध कालिदास फिर से आ गया हो।जो जिस डाल पर बैठा है उसे ही काटने में लगा है।कम से कम हाल ही में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में तो यही दिखाई पड़ा कि कांग्रेस लोगो के दिलो में कमजोर नही है बल्कि कांग्रेस के कर्णधारों की अपनी कमजोरी है ,जो वे विरासत में मिली कांग्रेस की स्वर्णिम धरोहर को संभाल नही पा रहे है।कांग्रेस की विफलता ही आम आदमी पार्टी के लिए वैकल्पिक अवसर का आधार बना है।जिसने पहले दिल्ली में और अब पंजाब में आम आदमी पार्टी को बंपर जीत दिलाई।कांग्रेस के कर्णधारों को महलों से निकलकर आमजन के लिए सहज और सुलभ बनना होगा।घर के दरवाजे खुले रखने होंगे,बिलकुल पंडित नेहरू व इंदिरा गांधी की तरह।साथ ही चापलूस नेताओ से मुक्ति और जमीनी नेताओ से नजदीकी बढ़ानी होगी। तभी कांग्रेस मरने से बच सकती है। जिस कांग्रेस का गठन सन 1885 में एलन ऑक्टेवियन ह्यूम द्वारा किया गया। जिन्होंने सन 1857 की गदर के समय वह इटावा के कलक्टर रहते हुए खुद ब्रटिश सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाई और सन1882 में पद से अवकाश ले लिया और कांग्रेस यूनियन का गठन किया। शुरुआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिल कर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया। लेकिन सन1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख़ कड़ा हुआ और अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ आंदोलन शुरु हए।इसी बीच महात्मा गाँधी भारत लौटे और उन्होंने ख़िलाफ़त आंदोलन शुरु किया। शुरु में बापू ही कांग्रेस के मुख्य विचारक रहे। इसको लेकर कांग्रेस में अंदरुनी मतभेद गहराए। चित्तरंजन दास, एनी बेसेंट, मोतीलाल नेहरू जैसे नेताओं ने अलग स्वराज पार्टी बना ली।साल 1929 में ऐतिहासिक लाहौर सम्मेलन में जवाहर लाल नेहरू ने पूर्ण स्वराज का नारा दिया।

पहले विश्व युद्ध के बाद पार्टी में महात्मा गाँधी की भूमिका बढ़ी, हालाँकि वो आधिकारिक तौर पर इसके अध्यक्ष नहीं बने, लेकिन कहा जाता है कि सुभाष चंद्र बोस को कांग्रेस से निष्कासित करने में उनकी मुख्य भूमिका थी।स्वतंत्र भारत के इतिहास में कांग्रेस सबसे मज़बूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी। महात्मा गाँधी की हत्या और सरदार पटेल के निधन के बाद जवाहरलाल नेहरु के करिश्माई नेतृत्व में पार्टी ने पहले संसदीय चुनावों में शानदार सफलता पाई और ये सिलसिला सन 1967 तक लगातार चलता रहा। पहले प्रधानमंत्री के तौर पर जवाहर लाल नेहरू ने धर्मनिरपेक्षता, आर्थिक समाजवाद और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति को सरकार का मुख्य आधार बनाया जो कांग्रेस पार्टी की पहचान बनी।नेहरू की अगुआई में सन1952, सन1957 और सन1962 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में सफलता पाई। सन1964 में जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री के हाथों में कमान सौंप गई लेकिन उनकी भी सन 1966 में ताशकंद में रहस्यमय हालात में मौत हो गई। इसके बाद पार्टी की मुख्य कतार के नेताओं में इस बात को लेकर ज़ोरदार बहस हुई कि अध्यक्ष पद किसे सौंपा जाए। आख़िरकार पंडित नेहरु की बेटी इंदिरा गांधी के नाम पर सहमति बनी।देश की आजादी के संघर्ष से जुड़े सबसे मशहूर और जाने-माने लोग इसी कांग्रेस का हिस्सा थे।गांधी-नेहरू से लेकर सरदार पटेल और राजेंद्र प्रसाद तक आजादी की लड़ाई में आम हिंदुस्तानियों की नुमाइंदगी करने वाली पार्टी ने देश को एकता के सूत्र में बांधने की कोशिश की थी।एलेन ओक्टेवियन ह्यूम सन1857 के गदर के वक्त इटावा के कलेक्टर थे। ह्यूम ने खुद ब्रटिश सरकार के खिलाफ आवाज उठाई और 1882 में पद से अवकाश लेकर कांग्रेस यूनियन का गठन किया। उन्हीं की अगुआई में बॉम्बे में पार्टी की पहली बैठक हुई थी. व्योमेश चंद्र बनर्जी इसके पहले अध्यक्ष बने। शुरुआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिलकर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया लेकिन 1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख कड़ा हुआ और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन शुरू हुए।दादाभाई नौरोजी और बदरुद्दीन तैयबजी जैसे नेता कांग्रेस के साथ आ गए थे।आजादी के बाद सन1952 में देश के पहले चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आई। सन1977 तक देश पर केवल कांग्रेस का शासन था।लेकिन सन 1977 में हुए चुनाव में जनता पार्टी ने कांग्रेस से सत्ता की कुर्सी छीन ली थी। हालांकि तीन साल के अंदर ही सन1980 में कांग्रेस वापस गद्दी पर काबिज हो गई।सन 1989 में कांग्रेस को फिर हार का सामना करना पड़ा।दादा भाई नौरोजी 1886 और 1893 में कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन1887 में बदरुद्दीन तैयबजी तो सन1888 में जॉर्ज यूल कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे।सन1889 से सन1899 के बीच विलियम वेडरबर्न, फिरोज़शाह मेहता, आनंदचार्लू, अल्फ्रेड वेब, राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ बनर्जी, आगा खान के अनुयायी रहमतुल्लाह सयानी, स्वराज का विचार देने वाले वकील सी शंकरन नायर, बैरिस्टर आनंदमोहन बोस और सिविल अधिकारी रोमेशचंद्र दत्त कांग्रेस अध्यक्ष रहे।इसके बाद हिंदू समाज सुधारक सर एनजी चंदावरकर, कांग्रेस के संस्थापकों में शुमार दिनशॉ एडुलजी वाचा, बैरिस्टर लालमोहन घोष, सिविल अधिकारी एचजेएस कॉटन, गरम दल व नरम दल में पार्टी के टूटने के वक्त गोपाल कृष्ण गोखले, वकील रासबिहारी घोष, शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय, बीएन दार, सुधारक राव बहादुर रघुनाथ नरसिम्हा मुधोलकर, नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर, भूपेंद्र नाथ बोस, ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में पहले भारतीय सदस्य बने एसपी सिन्हा, एसी मजूमदार, पहली महिला कांग्रेस अध्यक्ष एनी बेसेंट, सैयद हसन इमाम और नेहरू परिवार के मोतीलाल नेहरू सन 1900 से सन 1919 के बीच कांग्रेस अध्यक्ष रहे।सन 1915 में अफ्रीका से लौटकर भारत आए मोहनदास करमचंद गांधी का प्रभाव कांग्रेस की विचारधारा व आंदोलन तय करने में सन1920 के आसपास से साफ दिखना शुरू हो गया था।जो गांधी के जीवन के बाद तक भी बना हुआ है। सन1920 से भारत की आज़ादी अर्थात सन 1947 के बीच के युग में कांग्रेस अध्यक्ष पंजाब केसरी लाला लाजपत राय थे, जिन्होंने सन1920 के कलकत्ता अधिवेशन की अध्यक्षता की। स्वराज संविधान बनाने में अग्रणी रहे सी विजयराघवचारियार, जामिया मिल्लिया के संस्थापक हकीम अजमल खान, देशबंधु चितरंजन दास, मोहम्मद अली जौहर, शिक्षाविद मौलाना अबुल कलाम आज़ाद कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन1924 में बेलगाम अधिवेशन की अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी और यहां से कांग्रेस के ऐतिहासिक स्वदेशी, सविनय अवज्ञा और असहयोग आंदोलनों की नींव पड़ी थी। सरोजिनी नायडू, मद्रास के एडवोकेट जनरल रहे एस श्रीनिवास अयंगर, मुख्तार अहमद अंसारी कांग्रेस अध्यक्ष रहे। गांधी के अनुयायी जवाहरलाल नेहरू सन 1929 में पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष बने थे सरदार वल्लभभाई पटेल, नेली सेनगुप्ता, राजेंद्र प्रसाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और गांधी के अनुयायी जेबी कृपलानी भारत को आज़ादी मिलने तक कांग्रेस अध्यक्ष रहे।सन1948 और सन 1949 में पट्टाभि सीतारमैया कांग्रेस के अध्यक्ष रहे और यही वह साल था जब गांधी की हत्या हो चुकी थी. महात्मा गांधी का प्रभाव आज तक भी भारतीय राजनीति पर है, लेकिन उनकी हत्या के बाद कांग्रेस का नेहरू युग शुरू हुआ। पहले प्रधानमंत्री बन चुके पंडित जवाहर लाल नेहरू के समय में जिस साल संविधान लागू हुआ ।सन 1950 में कांग्रेस के अध्यक्ष साहित्यकार पुरुषोत्तमदास टंडन थे।सन1951 से सन 1954 तक खुद नेहरू अध्यक्ष रहे। पंडित नेहरू युग में 1955 से सन19 59 तक यूएन धेबार कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन 1959 में पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष इंदिरा गांधी बनी थी।सन 1960 से सन 1963 तक नीलम संजीव रेड्डी, नेहरू के निधन के सन 1964 से सन19 67 तक कामराज कांग्रेस अध्यक्ष रहे। हालांकि नेहरू का निधन 1964 में हो चुका था, लेकिन कांग्रेस का अगला इंदिरा गांधी युग लाल बहादुर शास्त्री की मौत के बाद शुरू होता है।सन 1966 में पहली बार देश की पहली और इकलौती महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बनीं। कामराज के साथ उनका सत्ता संघर्ष काफी चर्चित रहा। इसके बाद ही इंदिरा की लीडरशिप और उनके 'आयरन लेडी' होने के ख्याति मिलने लगी। इंदिरा गांधी के प्रभाव के समय में सन 1968से सन 1969 तक निजालिंगप्पा, 1970से सन 1971 तक बाबू जगजीवन राम ,1972से सन 1874 तक शंकर दयाल शर्मा और सन 1975 से सन 1977 तक देवकांत बरुआ कांग्रेस अध्यक्ष रहे।

सन1977 से सन1978 के बीच केबी रेड्डी ने कांग्रेस को संभाला लेकिन इमरजेंसी के बाद कांग्रेस टूटी तो सन 1978 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की अध्यक्ष वे स्वयं बनीं।कुछ समय को छोड़कर 1984 में अपनी हत्या के पहले तक इंदिरा ही अध्यक्ष रहीं। कांग्रेस ने करीब 15 साल का इंदिरा गांधी युग देखा और इसके बाद राजीव गांधी युग शुरू हुआ, कांग्रेस अध्यक्ष इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री भी बने और सन1985 में कांग्रेस के अध्यक्ष भी बन गए थे। जब प्रधानमंत्री व कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी की हत्या हुई तब फिर कांग्रेस के सामने अध्यक्ष को लेकर संकट खड़ा हो गया था,क्योंकि शुरुआत में सोनिया गांधी ने सक्रिय राजनीति में आने में रुचि नहीं दिखाई थी।इसी कारण सन1992 से सन1996 तक पीवी नरसिम्हाराव ने कांग्रेस का नेतृत्व किया ।सन 1996 से सन 19 98 तक गांधी परिवार के वफादार सीताराम केसरी अध्यक्ष रहे।सोनिया गांधी का सक्रिय राजनीति में पदार्पण हुआ और सन1998 से सन 2017 तक करीब 20 वर्षो तक सोनिया ही कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं।राहुल गांधी को सन 2017 में पार्टी की कमान सौंपी गई, लेकिन सन 2019 के आम चुनावों में बड़ी हार के बाद राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद छोड़ने की पेशकश की और कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष गांधी परिवार के बाहर के नेता को होना चाहिए।लेकिन इसपर सहमति नही हुई। तबसे कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी ही ने कांग्रेस का नेतृत्व कर रही है। सन1991,सन 2004, सन2009 में कांग्रेस ने दूसरी पार्टियों के साथ मिलकर केंद्र की सत्ता हासिल की।आजादी के बाद कांग्रेस कई बार विभाजित हुई। लगभग 50 नई पार्टियां इस संगठन से निकल कर बनीं। इनमें से कई निष्क्रिय हो गए तो कईयों का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और जनता पार्टी में विलय हो गया। कांग्रेस का सबसे बड़ा विभाजन सन1967 में हुआ। जब इंदिरा गांधी ने अपनी अलग पार्टी बनाई जिसका नाम कांग्रेस ( आर ) रखा। सन 1971 के चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने इसका नाम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कर दिया।इसी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अस्तित्व को बचाये रखना इस समय सबसे बड़ी चुनौती है।पहले कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की टीम हर मोहल्ले, वार्ड और बूथ स्तर पर हुआ करती थी।कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष की भी बड़ी अहमियत होती थी।इंदिरा गांधी के समय तक कांग्रेस के सत्ता में रहते संगठन को तवज्जों मिलती थी।कांग्रेस का ब्लाक अध्यक्ष बीस सूत्रीय कार्यक्रम का भी ब्लाक स्तर पर सरकार की तरफ से उपाध्यक्ष, व ब्लाक स्तरीय पदाधिकारी उंक्त कार्यक्रम समिति के सदस्य होते थे।इसी प्रकार जिले में कांग्रेस का अध्यक्ष बीस सूत्रीय कार्यक्रम समिति का जिला उपाध्यक्ष बनाये जाते थे।ताकि शासन प्रशासन के कामो को कराने की शक्ति पार्टी अध्यक्षो के पास हो।लेकिन जब से यह परंपरा बंद हुई है और पार्टी के हकदारों के बजाय अवसरवादी पदों पर काबिज होने शुरू हुए है तभी से संगठन बिखरता चला गया और कांग्रेस कमजोर होती चली गई। कांग्रेस का जहाज पूरी तरह से डूब जाए उससे पहले ही कांग्रेस के कर्णधारों को जाग जाना चाहिए और कांग्रेस में जान फूंकने की कौशिश में जुट जाना चाहिए।जिसकी देश को जरूरत है। (लेखक-- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

# 52 शक्ति पीठो में एक माँ शारदा मंदिर

धरोहर श्रृखंला में इस बार हम आस्था और विश्वास की प्रमूख केन्द्र मैहर की माँ शारदा शक्ति पीठो के बारे में जानेगें। कहा जाता है कि ब्रह्मांड की भलाई के लए भगवान विष्णु ने ही माता सती के पार्थिव शरीर को 52 भागों में विभाजित कर दिया। जहाँ-जहाँ सती के शब के विभिन्न अंग और आभूषण गिरे, वहां-वहां शक्ति पीठो का निर्माण हुआ। उन्ही में से एकशक्ति पीठ हैं, मैहर देवी, का मंदिर जहां मां सती का हार गिरा था। मैहर का मतलब बैं मां का हार, इसी बजह से इस स्थल का नाम मैहर पड़ा।

मध्यप्रदेश के चित्रकूट से लगे सतना जिले में मैहर शहर की लगभग 600 फुट की ऊंचाई वाली त्रिकुटा पहाड़ी पर माँ दुर्गा के शारदीय रूप श्रद्धेय देवी माँ शारदा का मंदिर स्थित हैं, जो मैहर देवी माता के नाम से सुप्रसिद्ध हैं, जहां श्रद्धालु माता का दर्शन कर आशीर्वाद लेने उसी तरह पहुंचते हैं जैसे जम्मू में मैं बैष्णो देवी का दर्शन करने जाते हैं। माँ मैहर देवी के मंदिर तक पहुंचने के लिए 560 सीढिया तय करनी पड़ती हैं। मैहर राजवंश भी देवी शारदा का अनन्य उपासक रहा है. राजा दुर्जन सिंह ने लगभग 200 वर्ष पूर्व श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रामगिरि (त्रिकूट) पर्वत में 560 सीढ़ियों का निर्माण कराया था। रोपवे यहां से शुरू हो चुका हैं। आला-उदल को वरदान देने वाली माँ शारदा देवी को पूरे देश में मैहर की शारदा माता के नाम से जाना जाता हैं।

इनकी उत्पति के पीछे एक पौराणिक कहानी जिसमें कहा गया है सम्राट दक्ष प्रजापति की पुत्री सती, भगवान शव से विवाह करना चाहती थी, लेकिन राजा दक्ष भगवान शिव को भगवन नहीं, भूतों और अघोरियों का साथी मानते थे और इस विवाह के पक्ष में नहीं थे, पर सती ने अपने पिता की इच्छा के विरूद्ध जाकर भगवान शिव से विवाह कर लिया। एक बार राजा दक्ष ने बृहस्पति सर्व, नामक यज्ञ कराया उस यज्ञ में ब्रहा, विष्णु, इंद्र और अन्य देवी देवताओं को आमंत्रित किया, लेकिन जान-बूझकर अपने जमाई भगवान महादेव को नही बुलाया, महादेव की पत्नी और दक्ष की पुत्री सती इससे बहुत आहत हुई और यज्ञ- स्थल पर सती ने अपने पिता दक्ष से भगवान शिव को आमंत्रित न करने का कारण पूछा, इस पर दक्ष प्रजापति ने भरे समाज में भगवान शिव के बारे में अपशब्द कहा, तब इस अपमान से पीड़ित होकर सती मौन हो उत्तर दिशा की ओर मुँह करके बैठ गयी और भगवान शंकर के चरणों में अपना ध्यान लगाकर योग मार्ग के द्वारा वायु तथा अग्नि तत्व को धारण करके अपने शरीर को अपने ही तेज से भस्म कर दिया।

भगवान शंकर को जब इस दुर्घटना का पता चला तो क्रोध से उन्होंने तीसरा नेत्र खोल गया और यज्ञ का नाश हो गया। भगवान शंकर ने माता सती के पार्थिव शरीर को कंधे पर उठा लिया और गुस्से में तांडव करने लगे। ब्रह्मांड की भलाई के लिए भगवान विष्णु ने ही सती के अंग को 52 भागों में विभाजित कर दिया। जहाँ-जहाँ सती के शव के विभिन्न अंग और आभूषण गिरे, वहां शक्ति पीठ हैं मैहर देवी, का मंदिर जहां सती का हार गिरा था। मैहर का मतबल हैं। माँ का हार, इसी वजह से इस स्थल का नाम मैहर पड़ा था। कुछ विद्वानो ने अपने मत के अनुसार कहा की देवी पुराण (महाभागवत) शक्ति पीठांक के अनुसार मैहर के रामगिरि पर्वत पर देवी सती का दाहिना स्तन गिरा था। सती माता के गिरे स्तन से दुग्ध धारा स्फुटित हुई थी जो नदी के रूप में परिणित हो गयी थी, जो लिज्जी नदी के नाम से आज भी मौजूद हैं। अगले जन्म मेंसती ने हिमाचल राजा के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया और घोर तपस्या कर शिवजी को फिर से पति के रूप में प्राप्त कर लिया।

त्रेतायुग में भगवान राम भी अपने चौदह वसवास काल में सुतीक्षण मुनि जिनका आश्रम मौजूदा सतना नगर मेंथा, के दर्शन के उपरांत मैहर आये तथा एक सप्ताह तक मैहर में प्रवास किया। द्वापर युग में महाभारत के पूर्व वनवास काल के समय पाण्डवों ने प्रयाग से मैहर की यात्रा की। देव व्यास जी ने मैहर को ''महीधर'' नाम से सम्बोधित किया था। पाण्डवों ने मैहर मेंरहकर माँ शारदा शक्तिपीठ की उपासना की थी।

इस तीर्थस्थल के संदर्भ में एक अन्य दन्तकथा भी प्रचालित हैं। स्थानीय परंपरा के मुताबिक दो वीर भाई आल्हा-उदल जिन्होंने पृथ्वीराज चौहान के साथ युद्ध किया था, वो भी माँ शारदा माता के बडे भक्त हुआ करते थे। इन्ही दोनो ने सबसे पहले जंगलों के बीच माँ शारदा देवी के इस मंदिर की खोज की थी। इसके बाद आल्हा ने इस मंदिर में बारह सालों तक तपस्या कर देवी को प्रसन्न किया था। माता ने उन्हे अमरत्व का आर्शीवाद दिया था। कहते है कि दोनो भाईयों ने भक्ति –ँछॐ से अपनी जीभ माँ शारदा को अर्पण कर दी थी, जिसे माँ शारदा ने उसी क्षण जीभ वापस कर दिया था। आल्हा माता को शारदा माई कर कर पुकारा करता था और तभी से ये मंदिर भी माता शारदा माई के नाम से प्रसिद्ध हो गया। पृथ्वीराज चौहान द्वारा किया गये आक्रमण में ऊदल की मृत्यु पृथ्वीराज के हाथों हुई। यह समाचार आल्हा को मिला तो उन्होने पृथ्वीराज चौहान को ललकार और उसके सामने आकर उन्हे घोड़े के खीचकर पटक दिया तथा उनके वक्ष स्थल पर पांव रखकर अपनी दिव्य तलवार से उनका वध करने जा रहे थे।तभी युद्धभूमि गुरूगौरखनाथ ने प्रकट होकर उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। भगवान शंकर के अंशावतार कहे जाने वाले महान योगी गुरू गोरखनाथ की भी आराध्या मैहर वाली माँ शारदा ही थीं। आज भी ये मान्यता है कि माता शारदा के दर्शन हर दिन सबसे पहले आल्हा ही करते हैं। मंदिर के पीछे पहाड़ो के नीचे एक तालाब है जिसे आल्हा तालाब कहा जाता हैं कि याहं आल्हा और उदल कुश्ती लड़ा करते थे। इस समय मंदिर का पूरा कार्य शारदा समिति की जिम्मेदारी पर चल रहा हैं, जिसके अध्यक्ष सतना के जिलाधिकारी हैं।

मैहर की माता शारदा देवी मंदिर का इतिहास

मंदिर के इतिहास के बात करें तो माँ शारदा की प्रतिष्ठापति मूर्ति चरण के नीचे अंकित एक प्राचीन शिलालेख से मूर्ति की प्राचीन प्रमाणिकता की पुष्टि होती हैं। मैहर नगर के पश्चिम दिशा में चित्रकूट पर्वत में श्री आद्या शारदा देवी तथा उनके बायी ओर प्रतिष्ठीत श्री नरसिंह भगवान की पाषाण मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा आज से लगभग 1994 वर्ष पूर्व विक्रमी संवत 5599 षत 424 चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी दिन मंगलवार ईसवी सन 502 में तोर मान हूण के शासन काल में श्री नुपुल देव द्वारा कराई गई थी। इस मंदिर में बलि देने की प्रथा प्राचीन काल से ही चली आ थी। जिसे 1922 ई में सतना के राजा ब्रजनाथ जूदेव ने पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया।

माँ शारदा मोनवांछित फलों को देने वाली देवी हैं। इसी कारण समूचे देश के श्रद्धालु माँ के दर्शन व कृपा प्राप्त करने के लिए मैहर आते हैं। मैहर रेलवे स्टेशन कटनी और सतना स्टेशनों के बीच में स्थित हैं और दोनों प्रमुख रेलमार्गों और एन-एच-7 से जुड़ा हुआ हैं। (लेखक - ?विष्णु अग्रवाल / ईएमएस)

## आज का इतिहास 9 अप्रैल

1609 स्पेन और हालैंड में नौ वर्षीय शांति संधि हुई.

1756 सिराजुद्दौला बंगाल की गद्दी पर बैठा.

1942 अमेरिका और फिलीपीस के सैनिकों ने भूटान में जापानियों के आगे हथियार डाल दिये.

1965 भारत और पाकिस्तान के बीच कच्छ के रन में लड़ाई भड़की.

1974 भारत–पाकिस्तान और बांग्लादेश ने 115 पाकिस्तानी युद्धबंदियों की वापसी के लिए एक समझौता किया.

1975 ब्रिटेन के हाऊस ऑफ रामन्स ने यूरोपीय साझा बाजार की सदस्यता बनाए रखने का प्रस्ताव पारित किया.

1978 सोमालिया में सैनिक क्रांति विफल.

1984 भारतीय सेना के कैप्टन एच. जे. सिंह ने हेड ग्लाइडर से विश्व के सबसे ऊंचे बनिहाल दर्रे को पार किया.

1988 चीन की पिपुल्स कांग्रेस ने ली फंग को प्रधानमत्री नियुक्त किया.

1991 इराक–कुवैत सीमा पर निगरानी के लिए सुरक्षा परिषद ने 1440 सदस्यीय शांति सेना की तैनाती का प्रस्ताव पारित किया.

2005 चीन के प्रधानमंत्री वेन जियाबाओं बैंगलोर पहुंचे.

## शब्द पहेली - 7250



**बाएँ से दाएँ**

1.अधिकार-2
3.समुद्र,दरिया-3
6.आनंद,रस-2
8.दबाना,कुचलना-3
10.गुंडा,बदमाश-3
12.पासों से भविष्य जानना-3
14.नाप जोख करना-3
17.जलजला-3
19.असफल-3
21.मगन,रत-2
23.व्यक्ति,जीव-3
25.सम्राट,नरेश-2
26.कार्य करने वाला-3
28.उपनदी,कैनाल-3
30.मां का प्रेम-3
32.पढ़ना,अध्ययन-3
35.पक्षाघात,फालिज-3
37.सेनापति-3
39.दूल्हा,वरदान-2
40.पक्ष,एक ओर-3
41.भीगा हुआ

**ऊपर से नीचे**

1.सीमा,सरहद-2
2.कटि,मध्यांग-3
4.दुख,कष्ट-2
5.गमन,विदा होना-3
7.शराब का प्याला-2
9.एक नमकीन लवण-3
11.आलेप करना-3
13.बोलने का तरीका-3
15.अयोग्य,बेकार-3
16.तहजीब,तमीज-3
18.रत्न,बहुमूल्य नग-3
20.व्यंग,परिहास-3
22.मुलायम,नाजुक-3
24.कॉफी-3
27.पंकज,नीरज,जलज-3
29.निर्माण-3
31.बल,दम,जोर-3
33.नेत्र,आंख-3
34.नौका-2
36.घात,प्रहार-2
38.जरा,थोड़ा-2

शब्द पहेली -7249 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

## आज सीएसके के लिए 150 मैच खेलने वाले प्लेयर बन जाएंगे रवींद्र जडेजा

मुंबई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रवींद्र जडेजा आईपीएल में बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए तैयार हैं। जडेजा सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शनिवार को उतरकर सीएसके के लिए 150 मैच खेलने वाले प्लेयर बन जाएंगे। इससे पहले सीएसके की तरफ से केवल दो क्रिकेटरों-पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी (217 मैच) और सुरेश रैना (200 मैच) ने यह उपलब्धि हासिल की है।

सीएसके के साथ जडेजा का कार्यकाल 2012 में शुरू हुआ था और ऑलराउंडर अपने दशक के लंबे प्रवास के दौरान एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी से एक वरिष्ठ राजनेता के रूप में विकसित हुए हैं। जडेजा सीएसके के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिन्होंने 149 मैचों में 110 विकेट लिए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने चेन्नई टीम के लिए 1,523 रन बनाए हैं।

उन्होंने 2012 में अपने आगमन की घोषणा के समय से कई शानदार पारियां खेली हैं, डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ सीएसके के लिए अपने दूसरे मैच में 29 गेंदों में 48 रन बनाकर चेन्नई को 74 रन से जीत दिलाई थी। सीएसके अभी भी जडेजा को एक विशेष प्रदर्शन के साथ आने के लिए देख रहा है जो टीम का जीत के लिए मार्गदर्शन करेगा। पिछले साल जडेजा ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 28 गेंदों में नाबाद 62 रनों की पारी खेली थी जिससे 'मेन इन येलो' को 69 रन से जीत मिली थी। सुपर किंग्स के साथ जडेजा की यात्रा ने आईपीएल 2022 सीजन से पहले एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया जब धोनी ने उन्हें कप्तानी सौंपी। ऐतिहासिक मैच से पहले जडेजा ने कहा, सीएसके ही सब कुछ है। यह एक परिवार है। सीएसके अब मेरे घर जैसा है। मैं 10 साल से टीम का हिस्सा हूं। मैं खुद को किसी अन्य टीम के लिए खेलते हुए नहीं देखता।

## सम्पादकीय

## खेल - समाचार

### दक्षिण कोरिया को हराकर भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

पोटचेफस्ट्रूम (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच जूनियर विश्व कप में अपना अजेय क्रम जारी रखकर क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 3-0 से शिकस्त दी। यह सिर्फ दूसरी बार है, जब भारत टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचा है। पूल चरण में सभी मैचों में जीत के बाद तालिका में शीर्ष पर रहने वाली भारतीय टीम के लिए अंतिम आठ के मैच में मुमताज खान (11वें मिनट), लालरिंडिकी (15वें मिनट) और संगीता कुमारी (41वें मिनट) ने गोल किए। जूनियर विश्व कप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2013 में जर्मनी के मोनशेनग्लाबाख में कांस्य पदक जीतना रहा है। टीम ने तब नियमित समय में 1-1 की बराबरी के बाद शूटआउट में इंग्लैंड को हराया। कोरिया के खिलाफ, भारत ने धीमी शुरुआत रही, लेकिन शुरुआती 10 मिनट के खेल के बाद मैच में अपना प्रभुत्व जमाना शुरू कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी गति से कोरिया की रक्षापंक्ति को परेशान कर दिया। शर्मिला देवी ने टीम गेंद पर शानदार नियंत्रण से टीम के मौका बनाया और शॉट कार्नर पर कप्तान सलीमा टेटे के शॉट को मुमताज ने गोल में बदल दिया। यह टूर्नामेंट में उनका छठा गोल था।

पहले क्वार्टर के आखिर में लालरिंडिकी ने भारत की बढ़त को दो गुना कर दिया। दीपिका के शानदार रिवर्स शॉट को कोरिया की गोलकीपर इयुंजी किम ने रोक दिया लेकिन रिबाउंड पर लारिंडिकी ने इस गोल कर दिया। मैच के दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम कोरिया पर हावी रही लेकिन दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकी। मध्यांतर से पहले दोनों क्वार्टर में भारत के दबदबे और रक्षापंक्ति के बेहतरीन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस दौरान सिर्फ एक बार गेंद गोलकीपर बीचू देवी खारिबाम तक पहुंची। उन्होंने 30वें मिनट में कोरिया की कप्तान सेओना किम की स्ट्रोक पर बचाव किया। दक्षिण कोरिया को मध्यांतर के बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन किम का शॉट गोल पोस्ट के बाहर से निकल गया। इसके कुछ मिनट बाद संगीता ने भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया।

### श्रीकांत और सिंधू कोरिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

संचियोन (ईएमएस)। शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत ने अलग अलग तरीके से अपने मुकाबले जीतकर कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और तीसरी वरीयता सिंधू ने महिला एकल क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की बुसानन ओंगबाम्रुंगफान पर अपनी 17वीं जीत दर्ज की। अब अगले मुकाबले में जापान की साएना कावाकामी और दूसरी वरीय कोरियाई एन सेयंग के बीच होने वाले मैच की विजेता के सामने होंगी। विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने पुरूष एकल स्पर्धा में स्थानीय खिलाड़ी सोन वान हो पर तीन गेम से जीत हासिल की। विश्व रैंकिंग में पहले शीर्ष में रहे दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में श्रीकांत ने अपने ताकतवर और सटीक शॉट से सोन वान हो को एक घंटे से जरा ज्यादा चले क्वार्टरफाइनल में पराजित किया।

श्रीकांत का रिकॉर्ड कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 4-7 का है, जिससे वह पिछले तीन मौकों पर हार गए थे। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए सोन वान हो को पराजित किया जो दो साल के बाद अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में वापसी कर रहे हैं। पांचवें वरीय श्रीकांत का सामना थाईलैंड के आठवें वरीय कुनलावुत विदितसर्ण और इंडोनेशिया के तीसरे वरीय जोनाथन क्रिस्टी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। महिला एकल में सिंधू को बुसानन को हराने में कोई दिक्कत नहीं हुई जिसे उन्होंने पिछले महीने स्विस ओपन फाइनल में हराया था। थाईलैंड की खिलाड़ी ने शुरू में 5-2 की बढ़त बना ली थी लेकिन बाद में सिंधू ने अपना शिकंजा कस लिया। सिंधू ने 11-7 की बढ़त के बाद आठ अंक जुटाकर आसानी से गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी चीजें समान रहीं जिसमें सिंधू ने 8-2 की बढ़त के बाद थाईलैंड की खिलाड़ी को पस्त किया।

पुरुष एकल में श्रीकांत ने पहले गेम में बेहतर नियंत्रण दिखाते हुए 11-6 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन सोन वान हो ने जल्द ही इसे 12-14 कर दिया। पर भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही वापसी करते हुए पहला गेम जीत लिया। कोरियाई खिलाड़ी ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की और 10-7 की बढ़त बना ली लेकिन श्रीकांत जल्द ही 13-11 से आगे हो लिए। सोन वान हो ने भी वापसी की और यह गेम जीत लिया। जिससे फैसला निर्णायक गेम से होना था जिसमें श्रीकांत ने 4-0 से अच्छी शुरूआत की लेकिन वह 4-6 से पिछड़ गये। हालांकि उन्होंने आक्रामक रिटर्न और सटीक शॉट से वापसी कर ब्रेक तक इसे 11-7 कर दिया। उन्होंने बढ़त जारी रखते हुए इसे 16-10 करने के बाद सटीक रिटर्न से आठ मैच प्वांइट हासिल कर जीत दर्ज की।

### पांच बार की चैंपियन टीम मुंबई इंडियंस इस सीजन में अभी तक फेल

मुंबई (ईएमएस)। पांच बार की चैंपियन टीम मुंबई इंडियंस को स्लो स्टार्टर कहा जाता है, यानी टीम धीमी शुरुआत करती है, लेकिन इंजन गर्म होने पर जीत की पटरी पर सरपट भागती भी है, लेकिन आईपीएल के 15वें सीजन में शुरुआती तीनों मुकाबले हारकर रोहित की पलटन निराशा से भर गई है। आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स क खिलाफ रात एक समय मैच उसकी मुट्ठी में नजर आ रहा था, आंद्रे रसेल को सस्ते में आउट कर टीम का रास्ता साफ दिख रहा था, लेकिन तभी पैट कमिंस आए और मात्र 14 गेंद में अर्धशतक लगाकर मुंबई से मैच छीन लिया। मुंबई के लिए दिल तोड़ने वाली हार रही। इस हार से निराश कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, कुल मिलाकर यह एक अच्छी पिच थी। बैटिंग में हमारी अच्छी शुरुआत नहीं की, लेकिन आखिरी 4-5 ओवर्स में खिलाड़ियों ने जिस तरह से रन बटोरे, वहां काबिले तारीफ है। हेड कोच महेला जयवर्धने के अनुसार गेंद से हम अंतिम ओवरों में और दबाव के समय उम्मीद के मुताबित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। हम योजनाओं को लागू करने में नाकाम रहे हैं।'

मैच के संदर्भ में रोहित की बात सही है। केकेआर की कसी हुई बॉलिंग के सामने उसके धुरंधर बल्लेबाज शुरुआत में जूझते नजर आए। आईपीएल में डेब्यू करने वाले द.अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ही मुंबई के टॉप पांच बल्लेबाजों में इकलौते बल्लेबाज रहे, जिनका शुरुआती 10 गेंद में स्ट्राइक रेट 100 के पार रहा। उनके अलावा मुंबई के किसी भी बैटर ने शुरुआती 10 गेंद में 9 से ज्यादा रन नहीं बनाए। इस धीमी शुरुआत का असर टीम के टोटल पर रहा। कोलकाता के खिलाफ मुंबई के पेसर डेनियल सैम्स द्वारा डाला गया पारी का 16वां ओवर आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे महंगा ओवर रहा। इस ओवर में कुल 35 रन बने। इस सीजन अभी तक इस टीम के पेसर्स की इकॉनमी सबसे खराब रही है। शुरुआती दो मैचों में मुंबई के पेसर्स ने 10.1 की इकॉनमी से रन लुटाए थे, जो कि किसी भी अन्य टीम के मुकाबले सर्वाधिक थे। इस सीजन खिताब की रेस में ज्यादा टीमें हैं, इसके बाद मुंबई को जल्द ही अपनी कमजोरियों से पार पाना होगा वरना खिताब के रेस में वे बहुत पीछे छूट जाएंगे। मुंबई के डेनियल सैम्स 12.63 रन प्रति ओवर खर्च कर रहे हैं। टायमल मिल्स की इकॉनमी 9.90 है जबकि बासिल थंपी 9.50 प्रति ओवर के हिसाब से रन दे रहे हैं। यहां तक कि जसप्रीत बुमराह की इकॉनमी भी 8.32 है।

### टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका से सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टी20 सीरीज खेलेगी। 5 मैचों की इस घरेलू टी20 सीरीज का आयोजन आईपीएल के 15 सत्र के समाप्त होने के बाद होगा। इसके मुकाबले कटक, विशाखापत्तनम, दिल्ली, राजकोट और चेन्नई में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार इस सीरीज का पहला टी20 मैच 9 जून को जबकि 5वां और अंतिम मुकाबला 19 जून को खेला जाएगा। इस साल के अंत में होने वाले ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए ही यह सीरीज दोनों टीमों के लिए अहम बतायी जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के हौसले इस समय बुलंद हैं। टीम इंडिया इस समय आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। भारतीय टीम ने लगातार 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतकर अफगानिस्तान के सबसे ज्यादा मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। टीम इंडिया के पास दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज करने का अवसर होगा। भारतीय टीम के लिए यह साल बेहद व्यस्त रहने वाला है। भारतीय टीम को जून में आयरलैंड का भी दौरा करना है। क्रिकेट आयरलैंड के जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमों के बीच जून के अंतिम सप्ताह में 2 टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज का पहला टी20 मैच 26 जून को जबकि दूसरा 28 जून को खेला जाएगा। भारतीय टीम इससे पहले अंतिम बार साल 2018 में आयरलैंड गयी थी।

### जबरदस्त मुकाबले में 13 वर्षीय रिया जादोन ने जीती लेडीज ओपन अमेच्योर गोल्फ स्पर्धा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय खिलाड़ी 13 वर्षीय रिया जादोन ने डीजीसी लेडीज ओपन अमेच्योर गोल्फ चैम्पियनशिप-2022 के 11वें संस्करण के जबरदस्त मुकाबले के फाइनल में में 78,80, 74 के टाइटल स्कोर के साथ बाजी अपने नाम कर ली जबकि उसकी बड़ी बहन 15 वर्षीय लावण्या जादोन का स्कोर 76, 79, 79 रहा। रिया ने जूनियर गर्ल्स ट्रॉफी भी जीती। इस साल के टूर्नामेंट में सौ से ज्यादा महिला गोल्फर्स ने भाग लिया था, जिसे दो साल के अंतराल के बाद दिल्ली गोल्फ क्लब में फिर से आयोजित किया गया था। पुरस्कार वितरण समारोह में अंजु मुंजाल और दिल्ली गोल्फ क्लब की महिला कप्तान मोनिका टंडन ने कहा कि टूर्नामेंट भाग लेने वाली महिला गोल्फर्स का काफी उत्साह बढ़ा है। उन्होंने काफी साहस और प्रतिभा दिखाई है।

# बाजार सेंसेक्स 412 अंक उछला, 17800 के करीब बंद हुआ निफ्टी

मुंबई (ईएमएस)। कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर खुला। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई का सेंसेक्स 220 अंक की तेजी के साथ 59255 के स्तर पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई के निफ्टी ने 77 अंक फीसदी की उछाल के साथ 17716 के स्तर पर कारोबार शुरू किया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 412.23 अंक की बढ़त के साथ 59,447.18 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 144.80 अंक की मजबूती के साथ 17,784.35 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले गुरुवार को कारोबार के अंत में सेंसेक्स 575.46 अंक यानी 0.97 फीसदी की गिरावट के साथ 59,034.95 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 168.10 अंक यानी 0.94 फीसदी टूटकर 17640 के स्तर पर बंद हुआ था।

दरअसल आरबीआई ने आसमान छूती महंगाई को नियंत्रित करने और आर्थिक विकास दर को तेज रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को रिवर्स रेपो दर में 0.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी को छोड़कर अन्य सभी प्रमुख नीतिगत दरों को यथावत रखा। इससे निवेशकों की निवेश धारणा मजबूत हुई। लिवाली के बल पर बीएसई के 18 समूहों में तेजी रही। इस दौरान बेसिक मैटेरियल्स 1.91, ऊर्जा 1.72, एफएमसीजी 1.93, इंडस्ट्रियल्स 1.32, यूटिलिटीज 1.81, कंज्यूमर डयूरेबल्स 1.25, धातु 1.96, तेल एवं गैस 1.76 और पावर समूह 1.76 प्रतिशत चढ़ गए। इनके अलावा अन्य समूहों में तेजी रही। वैश्विक बाजार में भी तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.95, जर्मनी का डैक्स 1.27, जापान का निक्केई 0.36, हांगकांग का हैंगसैंग 0.29 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.47 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

आरबीआई की बैठकः रेपो रेट में बदलाव नहीं

रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति के नतीजों की घोषणा कर दी है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि आर्थिक सुधारों को प्रमुखता देकर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दास ने कहा, फिलहाल हमने रेपो रेट को 4 फीसदी पर स्थिर बनाए रखा है। इससे कर्ज का प्रवाह बढ़ाने में मदद मिलेगी और कोरोना के दबाव से अर्थव्यवस्था को बाहर लाया जा सकेगा। यह 11वीं बार है, जब आरबीआई ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। गवर्नर का कहना है अर्थव्यवस्था को अभी महामारी से पूरी तरह बाहर नहीं लाया जा सका है। इसकारण आर्थिक स्थिरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023 के लिए महंगाई के अपने अनुमान को 4.7 फीसदी से बढ़ाकर 5.7 फीसदी कर दिया है। दास ने मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की इस वित्त वर्ष के लिए हुई पहली बैठक के बाद यह जानकारी दी। दास ने कहा कि आरबीआई को वित्त वर्ष 2023 में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित महंगाई 5.7 फीसदी रहने का अनुमान है।

# ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाए सरकार, कैट ने मंत्रियों से लगाई गुहार

नई दिल्ली (ईएमएस)। व्यापारियों के संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स यानी कैट ने सरकार से देश में दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। यह मांग ऐसे समय की गई है जब वॉलमार्ट के मालिकाना हक वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने 6 अप्रैल को ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री की घोषणा की है। ट्रेडर्स बॉडी कैट ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि उसने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को इस संबंध में पत्र भी लिखा है।

कैट ने पत्र में ई-फार्मेसी कंपनियों पर देश में दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगाने की तत्काल मांग की है। संगठन ने कहा है कि उसने यह मांग इसलिए की है ताकि औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम और नियमों के प्रावधानों का पूरी तरह से पालन किया जा सके। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि डीसी अधिनियम और नियम देश में दवाओं के आयात, निर्माण, बिक्री और वितरण को नियंत्रित करते हैं। साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए सख्त प्रावधान हैं। उन्होंने सरकार से भारतीय कानून के तहत मध्यस्थ प्रावधानों का फायदा उठाने से रोकने के लिए ई-फार्मेसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने का भी आग्रह किया है। गौरतलब है कि फ्लिपकार्ट हेल्थकेयर सेक्टर में उतर गई है।

कंपनी ने अपनी पहुंच का लाभ उठाने और देशभर में 20,000 से ज्यादा पिनकोड तक सर्विसेस पहुंचाने के लिए नया ऐप फ्लिपकार्ट हेल्थ प्लस पेश किया है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि फ्लिपकार्ट हेल्थ प्लस प्लेटफॉर्म 500 स्वतंत्र विक्रेताओं को रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट के नेटवर्क के साथ जोड़ेगा। इससे डॉक्टर की पर्ची का अनुमोदन किया जा सकेगा और सही दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

# अब बिना कार्ड के भी एटीएम से निकाल सकेंगे पैसा

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। डिजिटल फ्रॉड के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारतीय ?रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इसे रोकने के लिए एक बड़ा ?निर्णय लिया है। अब लोगों को बिना डेबिट कार्ड डाले एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा मिलेगी। ये सुविधा सभी बैंकों में दी जाएगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस बात की पुष्टि की है। अभी तक केवल कुछ ही बैंकों में बिना कार्ड के रुपए निकालने की सुविधा थी। ये सुविधा यूपीआई के माध्यम से पूरी होगी, जिसमें कार्ड की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इसका सबसे बड़ा फायदा ये होगा कि ठग कार्ड का क्लोन नहीं बना पाएंगे और इस तरह से होने वाले फ्रॉड के मामले खत्म हो जाएंगे। इस बारे में गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि इससे ट्रांजेक्शन्स काफी सुर?क्षित हो जाएगा। ये बात भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कही। आरबीआई गवर्नर ने कहा ?कि वर्तमान में एटीएम के जरिए कार्डलेस नकद निकासी की सुविधा केवल कुछ बैंकों तक ही सीमित है। अब यूपीआई का उपयोग करते हुए सभी बैंकों और एटीएम नेटवर्क पर कार्डलेस नकद निकासी की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा ?कि लेनदेन में आसानी के अलावा ये भी फायदा होगा कि ऐसे लेनदेन के लिए फिजिकल कार्ड की आवश्यकता नहीं होगी और कार्ड स्किमिंग और कार्ड क्लोनिंग आदि धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी।

# सोना और चांदी में आई ?गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। ?विदेशी बाजारों के ?मिलेजुले रुझानों के बीच शुक्रवार को एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.17 फीसदी की गिरावट के साथ 51,810 रुपए पर आ गई, जबकि चांदी के दाम में भी मामूली 0.06 फीसदी की कमी आई है। इसके बाद चांदी का भाव टूटकर 66,725 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

# रूस के सैनिकों ने सब कुछ तबाह कर दिया, यूक्रेनी नेताओं की कसक सामने आई

बोले- देश में सामने आ सकते हैं और भी भयावह मंजर

चेर्निहाइव, यूक्रेन (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में चारों और तबाही का मंजर है विषम हालातों में यूक्रेन के नेताओं की कसस सामने आई है उन्होंने कहा कि रूस के सैनिक सब कुछ तबाह करके देश से वापस जा रहे हैं, जिसके चलते आने वाले दिनों में और अधिक भयावह मंजर देखने को मिल सकते हैं। रूसी सैनिकों के हमलों के बाद यूक्रेन के कई शहरों में इमारतें, सड़कें और यातायात के साधन तबाह हो गए हैं जबकि आम नागरिकों की मौत के मामलों में भी लगातार इजाफा हो रहा है, जिसकी दुनियाभर में निंदा की जा रही हैं।

रूसी सैनिकों के जाने के बाद एक खस्ताहाल स्कूल बाहर खड़ी वैनों से जरूरी सामान लेने के लिये दर्जनों लोग कतारों में लगे दिखे। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबो ने बृहस्पतिवार को आगाह किया कि रूसी सैनिकों के वापस जाने के बावजूद देश की मुश्किलें कम होने वाली नहीं हैं। उन्होंने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और अन्य देशों से हथियार मुहैया कराने की अपील की, जिससे देश के पूर्वी हिस्से में होने वाले संभावित हमले से निपटने में मदद मिल सके। नाटो ने इस आधार पर यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है कि रूसी सेना ने राजधानी के आसपास के क्षेत्रों में बर्बरता दिखाई है। कीव के निकट बूचा शहर के मेयर अनातोली फेडोरुक ने कहा कि जांचकर्ताओं ने कम से कम ऐसी तीन जगहों का पता लगाया है, जहां रूस के आक्रमण के दौरान आम नागरिकों को सामूहिक रूप से गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों की मौत गोलीबारी से हुई, न कि गोलाबारी की वजह से। फेडोरुक ने कहा कि बुधवार तक 320 शव गिने जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि शहर में और शव मिल रहे हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फेडोरुक ने कहा कि पहले शहर की आबादी 50 हजार थी जो अब केवल 3,700 बची है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपने रात्रि संबोधन में कहा कि बूचा में जो भयावह मंजर सामने आए हैं, वे केवल शुरुआत हो सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि बूचा से केवल 30 किलोमीटर दूर बोरोदियांका शहर में हताहतों की संख्या ज्यादा हो सकती है। उन्होंने कहा कि वहां के हालात और भयावह हो सकते हैं। यूक्रेन के अधिकारियों ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि राजधानी के आसपास के शहरों में 410 नागरिकों के शव मिले हैं। स्वयंसेवकों ने कई दिन तक इन लाशों को इकट्ठा किया। बृहस्पतिवार को बूचा में और शव मिले।

# यूएनएचआरसी यूएन की अंतर सरकारी संस्था, इसकारण रुस का वीटो नहीं चला

जिनेवा (ईएमएस)। यूक्रेन पर हमला कर कत्ले आम मचाने वाले रूस को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से निलंबित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में वोटिंग के बाद बहुमत से ये फैसला लिया गया। रूस पर आरोप है, कि उसके सैनिकों ने कीव के पास बूचा से लौटते समय 300 से ज्यादा आम नागरिकों का नरसंहार कर डाला। कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि रूस को तो यूएन में वीटो पावर हासिल है। इसके जरिए वह किसी भी प्रस्ताव को खारिज करवा सकता है। फरवरी में रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने खिलाफ आए निंदा प्रस्ताव को वीटो करके खारिज करवा दिया था। लेकिन क्या हुआ कि यूएनएचआरसी से सस्पेंड करने के प्रस्ताव पर रूस अपना वीटो पावर इस्तेमाल नहीं कर सका।

वीटो मतलब किसी बात को खारिज करने का अधिकार। संयुक्त राष्ट्र की सबसे ताकतवर संस्था सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के 5 स्थायी सदस्यों के पास ये अधिकार है कि वहां किसी प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं। ये देश हैं, अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस है। यूएनएससी के 5 स्थायी और भारत जैसे 10 अस्थायी देशों के बीच यही सबसे बड़ा अंतर है। यूएन के स्थायी देश अपनी विदेश नीति और मौजूदा हालात को देखकर इसका प्रयोग करते हैं। चीन भी कई बार भारत से जुड़े मसलों पर वीटो पावर इस्तेमाल कर चुका है। वीटो पावर रखने वाले देश इसका इस्तेमाल सुरक्षा परिषद में करते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इमरजेंसी स्पेशल सत्र में भी वीटो का प्रयोग नहीं किया जा सकता। गुरुवार को महासभा के जिस सत्र में रूस को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से बाहर करने का प्रस्ताव पास हुआ था, उस अमेरिका, यूके सहित 7 देशों के ग्रुप ने पेश किया था। इस पर 93 देशों ने हां में वोट दिया, जबकि चीन सहित 24 देशों ने इसके खिलाफ में मतदान किया। भारत, ब्राजील, मैक्सिको सहित 58 देश वोटिंग के दौरान गैरहाजिर रहे।

सुरक्षा परिषद में पहली बार 1946 में वीटो पावर का इस्तेमाल किया गया था। तब से लेकर अब तक परिषद में लगभग 293 बार विभिन्न प्रस्तावों को वीटो किया जा चुका है। इनमें सबसे ज्यादा 143 बार इसका प्रयोग रूस (पूर्व सोवियत संघ) ने किया है। उसके बाद अमेरिका (83) और यूके (32) का नंबर आता है। पांचों देशों में सबसे कम चीन ने सिर्फ 16 बार वीटो पावर का रौब दिखाया है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद यूएन की एक अंतर सरकारी संस्था है। स्विट्जरलैंड के जिनेवा में इसका मुख्यालय है। 47 देश इसके सदस्य हैं। इसका काम विश्व में मानवाधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने के लिए कदम उठाना है। अगर कहीं पर मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है,तब ये संस्था दखल दे सकती है। इसके सदस्य तीन साल के लिए चुने जाते हैं। रूस की फिर से सदस्यता 2021 में शुरू हुई थी। लेकिन यूएनएचआरसी की सबसे बड़ी कमी यही है कि यह सिर्फ सिफारिश कर सकती है, इसके फैसले किसी देश पर बाध्यकारी नहीं होते।

रूस पहला देश नहीं है, जिसे 2006 में गठित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से सस्पेंड किया गया है। उससे पहले 2011 में लीबिया को भी बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका है। तब लीबिया में बड़े पैमाने पर लोगों को मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं सामने आई थी। उसके बाद यूएन महासभा में बहुमत से प्रस्ताव पास करके लीबिया की यूएनएचआरसी सदस्यता रद्द कर दी गई थी। ये भी पहली बार नहीं है, जब रूस को यूएनएचआरसी की सदस्यता से वंचित रहना पड़ा हो।2016 में जब रूस ने सीरिया के अलेप्पो में बर्बरता से बमबारी की थी, तब भी यूएन के सदस्य देशों ने चौंकाते हुए यूएनएचआरसी में रूस का पुनर्निर्वाचन रोक दिया था। लेकिन कुछ ही समय बाद रूस फिर से इसका सदस्य बन गया। देखना होगा कि इस बार उसका निलंबन कब तक कायम रहता है।

# ऐतिहासिक फैसले के बाद वायरल हो रही इमरान का पांच साल पुराना टवीट

इस्लामाबाद (ईएमएस)। बीते रोज पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाकर इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग को फिर से हरी झंडी दे दी है। इसके साथ शीर्ष अदालत ने राष्ट्रपति के फैसले को पलटकर पाकिस्तान की नेशनल एसेंबली बहाल कर दी है। इस फैसले के बाद इमरान खान का पांच साल पुराना ट्वीट एक बार फिर चर्चा में आ गया है। उस वक्त तत्कालीन पीएम नवाज शरीफ को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर इमरान ने रिएक्शन दिया था। अब लोग इस जैसे को तैसा मानकर चल रहे हैं।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के फैसले से इमरान खान को जोरदार झटका लगा है। बीती 3 अप्रैल को जिस चालाकी से इमरान खान ने अविश्वास प्रस्ताव रुकवाकर पाक एसेंबली भंग करवाई थी, सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को पलटते हुए इमरान खान की पार्टी पीटीआई को करारा जवाब दिया है। इस फैसले के बाद माना जा रहा है कि इमरान पाक संसद में अविश्वास प्रस्ताव हार जाएंगे, क्योंकि संसद सदस्यों में इमरान खान के पास सिर्फ 142 सांसदों का बल है, जबकि प्रस्ताव को खारिज करवाने के लिए उन्हें 172 सांसदों के समर्थन की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इमरान खान का 5 साल पुराना ट्वीट चर्चा में आ गया है। 20 अप्रैल 2017 को इमरान ने ट्वीट करते हुए पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया था,इसमें सुप्रीम कोर्ट ने तत्कालीन पीएम नवाज शरीफ के खिलाफ फैसला लिया था। इमरान ने उस वक्त ट्वीट किया था, ठसुप्रीम कोर्ट का एक महान फैसला जिसने नवाज शरीफ की कहानी को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पीएम ने तुरंत इस्तीफा दे दिया,क्योंकि उन्होंने सभी नैतिक अधिकार खो दिए हैं। इमरान खान ने जिस तरह पाक संसद में विदेशी साजिश का हवाला देकर पाक संसद भंग कराव दी थी, उनकी कहानी को पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने मानने से इनकार कर दिया। ठीक पांच साल पहले पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पनामागेट मामले में नवाज को अयोग्य ठहराया गया था, जिसके बाद नवाज ने पाकिस्तान के प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। नवाज शरीफ और उनके परिवार पर विदेशों में फर्जी कंपनियों के जरिये टैक्स चुराने और बेशुमार संपत्तियां हासिल करने के आरोप लगा था। पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने संसद भंग करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया।

# मोदी सरकार ने नहीं मानी मांग, पेरशानी में पेप्सी और कोका कोला सहित कई कंपनियों

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में एक जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी लगने वाली है। कई देसी-विदेशी बेवेरज कंपनियों ने प्लास्टिक स्ट्रॉ को इसमें छूट देने की मांग की थी लेकिन मोदी सरकार ने इस मांग को ठुकरा दिया है। इससे पेप्सी और कोका कोला सहित कई कंपनियों की बिक्री प्रभावित होने की आशंका है। सिंगल यूज प्लास्टिक को पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक माना जाता है। ये प्लास्टिक उत्पाद लंबे समय तक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के लिए पिछले साल अगस्त में एक अधिसूचना जारी की थी। इसमें एक जुलाई से इस तरह के तमाम आइटमों पर पाबंदी लगाने को कहा गया था। इसके बाद केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करते हुए उन्हें 30 जून तक सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी के लिए सारी तैयारी पूरी करने को कहा था। बेवरेज में इस्तेमाल होने वाला स्ट्रॉ भी इसी कैटगरी में आता है। इसकारण बेवरेज बनाने वाली कंपनियों ने सरकार से इसमें छूट देने का अनुरोध किया था। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने उनके अनुरोध को खारिज कर दिया है। इससे अरबों डॉलर की इस इंडस्ट्री के प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया है। देश में जूस और डेयरी प्रॉडक्ट्स के छोटे पैक्स के साथ स्ट्रॉ होता है। देश में इनकी सालाना बिक्री 79 करोड़ डॉलर की है। इस इंडस्ट्री की संस्था के प्रमुख ने कहा कि हम इस लेकर चिंतित हैं क्योंकि यह उस समय लागू हो रहा है, जब देश में डिमांड चरम पर होगी। इससे उपभोक्ता और ब्रांड मालिकों को परेशानी होगी।

संस्था में पेप्सिको, कोकाकोला, पार्ले एग्रो और डाबर जैसी कंपनियों का प्रतिनिधित्व है। इसके साथ ही डेयरी कंपनियां भी स्ट्रॉ को बैन से अलग रखने की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि इसका कोई विकल्प नहीं है। पर्यावरण मंत्रालय ने उनकी मांग को खारिज करते हुए छह अप्रैल के मेमो में कहा है कि इंडस्ट्री को इसके विकल्प की तरफ जाना चाहिए। उन्हें इसके लिए एक साल का समय दिया गया था। इस बारे में पर्यावरण मंत्रालय ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। पेप्सी ने टिप्पणी करने से इंकार कर दिया जबकि कोकाकोला और दूसरी कंपनियों ने सवालों का जवाब नहीं दिया। बता दें कि देश में पांच से 30 रुपये तक की कीमत वाले जूस और डेयरी प्रॉडक्ट्स बेहद लोकप्रिय हैं। पेप्सी का ट्रॉपिकाना, डाबर का रियल जूस, कोकाकोला का माजा और पार्ले एग्रो का फ्रूटी छोटे पैक में आता है और इनके साथ स्ट्रॉ भी होता है। संस्था की दलील है कि ऑस्ट्रेलिया, चीन और मलेशिया जैसे देशों में स्ट्रॉ के इस्तेमाल की अनुमति है। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि स्ट्रॉ पर बैन से उनकी सप्लाई पर असर पड़ेगा। स्ट्रॉ का विकल्प अपनाने से कीमत बढ़ेगी और उनका बिजनस प्रभावित होगा। वहीं दूसरे तरह के स्ट्रॉ की सप्लाई चेन बनाने के लिए इंडस्ट्री को कम से कम 15 से 18 महीने चाहिए। उन्होंने कहा कि वह फिर से सरकार को मनाने की कोशिश करने वाले हैं।

# कंपनी के प्रदर्शन के लिए विविधता, समावेश महत्वपूर्णः सर्वेक्षण

मुंबई (ईएमएस)। कार्यबल में विविधता को पसंद करने वाली कई कंपनियों के साथ एक सर्वेक्षण में साफ हुआ है कि ज्यादातर नियोक्ता मानते हैं कि किसी भी संगठन के प्रदर्शन के लिए विविधता, समावेश और जुड़ाव महत्वपूर्ण हैं। सर्वेक्षण के मुताबिक, लगभग 77 प्रतिशत नियोक्ताओं का मानना है कि विविधता, समावेश और जुड़ाव को प्राथमिकता नहीं देने से उनकी कंपनी के प्रदर्शन पर प्रतिकूल असर हो सकता है। यह सर्वेक्षण 11 शहरों में बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई), आईटी, मीडिया और मनोरंजन, खुदरा और दूरसंचार जैसे 10 क्षेत्रों के 1,142 नियोक्ताओं और 1,430 कर्मचारियों के बीच मार्च में किया था। सर्वेक्षण से पता चला कि 39 प्रतिशत नियोक्ताओं का मानना है कि उनके संगठनों में विविधता, समावेश और जुड़ाव (डीआईएंडबी) को लेकर पर्याप्त जागरूकता नहीं है। सर्वेक्षण में पाया गया कि केवल 21 प्रतिशत संगठनों ने औपचारिक डीआईएंडबी नीतियां बनाई हैं। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि 73 प्रतिशत कर्मचारी ऐसे संगठनों में काम करना चाहते हैं, जो इस तरह की पहल को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हैं।

# हिजाब पहनने वाले मुस्लिमों पर जुर्माना लगेगा

पेरिस (ईएमएस)। भारत से उठा हिजाब विवाद फ्रांस में भी छा गया है। रविवार को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में बड़ा मुद्दा बन गया है। राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी मरीन ली पेन ने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आईं, तब हिजाब पहनने वाले मुस्लिमों पर जुर्माना लगेगा। ले पेन ने कहा कि उनके कानूनों को भेदभावपूर्ण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन बताकर संवैधानिक चुनौती दी जा सकती है। इस तरह की चुनौतियों से बचने के लिए वहां जनमत संग्रह का रास्ता अपनाएंगी।

ले पेन ने कहा कि जिस तरह गाड़ियों में सीटबेल्ट पहनने को अनिवार्य बनाया गया है, उसी तरह ये फैसला भी लागू किया जाएगा कि मुसलमान सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब न पहनें। उन्होंने कहा, जिस तरह सीटबेल्ट नहीं पहनने पर जुर्माना देना पड़ता है, लोगों को ठीक उसी तरह हिजाब पहनने पर जुर्माना देना होगा। मुझे लगता है कि पुलिस इस लागू करने में सक्षम होगी। फ्रांस में इससे पहले स्कूलों में धार्मिक प्रतीकों पर प्रतिबंध लगा दिया है। सार्वजनिक स्थानों पर पूरा चेहरा ढकने की भी मनाही है।

53 वर्षीय ले पेन इससे पहले के चुनावों में अप्रवासियों के खिलाफ अधिक करती थी, लेकिन इस साल उन्होंने घरेलू मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया है। पेन मैक्रों की चुनावी रणनीति को कड़ी टक्कर दे रही है। मैक्रों के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी मरीन ले पेन ने हाल के दिनों में काफी लोकप्रियता हासिल की है और सत्ता के दावेदार बनकर उभरे हैं। दोनों के बीच 24 अप्रैल को राष्ट्रपति पद संभालने को लेकर कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद से भी इनकार नहीं किया जा सकता। वर्ष 2017 के चुनाव में मैक्रों ने आसानी से जीत हासिल की थी। मैक्रों ने पेरिस के नजदीक विशाल रैली को संबोधित कर कहा था कि कुछ भी निश्चित नहीं है और कुछ भी संभव है।

# शंघाई में लाकडाउन से ढाई करोड़ लोग घरों में कैंद, लोगों ने कहा कोरोना नियंत्रण के उपायों से मारे जा रहे

बीजिंग (ईएमएस)। चीन का शंघाई शहर कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित है। कई दिनों से जारी लाकडाउन के कारण शंघाई में मेडिकल सुविधा और खाने की चीजों के लाले पड़ गए है। दरअसल, बीते महीने से ही शंघाई में लाकडाउन लगाया गया है। करीब ढाई करोड़ लोग अपने-अपने घरों में कैद हैं। शंघाई में जीरो कोविड पालिसी के तहत सख्त लाकडाउन लगाया गया है। लाकडाउन का सख्ती से पालन कराने के लिए शंघाई में चीनी सेना और हेल्थ वर्कर्स का सहारा लिया जा रहा है। यहां तक कि संक्रमित माता-पिता को उनके बच्चों से अलग किया जा रहा है। इससे परिस्थितियां सरकार के खिलाफ जा रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कमेंट भी वायरल हो रहा है। कमेंट में लिखा है, 'हम कोरोना से नहीं, कोरोना नियंत्रण के उपायों से मारे जा रहे हैं।'

बता दें कि बुधवार को चीन में कोरोना के 20 हजार से ज्यादा मामले सामने आए थे। कोरोना की पीक के समय वुहान में साल 2020 में इससे कम केस आए थे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक, मार्च के अंत तक यह वायरस चीन के 31 प्रांतों में से 29 में फैल चुका था। मीडिया ने बताया कि 1 अप्रैल को चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुख्य विज्ञानी वू ज़ुनयू ने कहा कि चीन 'जीरो कोविड पालिसी पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा'। उन्होंने आगे कहा कि प्रतिबंधों में ढील देने और सीमाओं को खोलने से चिकित्सा संसाधनों और बढ़ती मौतों जैसी कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

# रूस की सैन्य पोत निर्माण और हीरा खनन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएगा अमेरिका

वाशिंगटन (ईएमएस)। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने एलान किया कि वह रूस की सबसे बड़ी सैन्य पोत निर्माण और हीरा खनन कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंध लगा रहा है। इस कदम से उनकी अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था तक पहुंच बाधित हो जाएगी। अमेरिका यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर अधिक आर्थिक प्रतिबंध लगा रहा है। अमेरिका के वित्त विभाग के अनुसार, अलरोसा दुनिया की सबसे बड़ी हीरा खनन कंपनी है और रूस की हीरा खनन क्षमता के करीब 90 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है।

# उबर और ओला ने किराए में बढ़ोत्तरी की, लोगों को लगेगा झटका

मुंबई (ईएमएस)। चौतरफा महंगाई के बीच टैक्सी एग्रीगेटर उबर और ओला ने भी किराया बढ़ा दिया है। पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ सीएनजी की कीमतों में हाल में हुई भारी बढ़ोतरी के कारण उबर और ओला के ड्राइवर किराया बढ़ाने की मांग कर रहे थे। उबर ने कई शहरों में किराए में 15 फीसदी तक बढ़ोतरी की है। ओला ने भी किराए में 11 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर दी है। ओला ने ड्राइवरों को भेजे संदेश में कहा है कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए हमें आपको यह बताकर खुशी हो रही है कि हमने किराए में बदलाव किया है। इससे आपको अधिक कमाई करने में मदद मिलेगी। अब आपकी प्रति किमी इनकम में 11 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। ओला में मिनी कैटगरी में अब तक 18 किमी तक प्रति किमी 9.5 रुपये का रेट था। इस बढ़ाकर 10.5 किमी प्रति किमी कर दिया गया है। 18 किमी के बाद रेट 11.80 पैसे प्रति किमी था जिसे अब 12.60 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह प्राइम कैटगरी में पहले 15 किमी तक रेट 12 रुपये प्रति किमी था जो अब 13.1 रुपये कर दिया गया है। 15 किमी के बाद ग्राहक से प्रति किमी 13 रुपये वसूले जाते थे जिसे अब बढ़ाकर 14.5 रुपये कर दिया गया है। देश में करीब साढ़े चार महीने के अंतराल के बाद 22 मार्च से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला शुरू हुआ था। इस दौरान 14 किस्तों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में 10-10 रुपये का इजाफा हो चुका है। इसी तरह सीएनजी की कीमत में पिछले तीन महीनों में प्रति किलो 15 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

इससे पहले उबर ने मुंबई में किराए में 15 फीसदी और कोलकाता में 12 फीसदी का इजाफा किया था। कंपनी का कहना है कि ईंधन की कीमत में हाल के दिनों में भारी इजाफा हुआ है और ड्राइवरों को राहत देने के लिए यह कदम उठाया गया है। ओला और उबर ने पिछले एक साल में दूसरी बार किराया बढ़ाया है। इससे पहले पिछले साल जुलाई में भी दोनों कंपनियों ने किराए में 15 फीसदी बढ़ोतरी की थी।

# एफबीआई ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई सेल का भंडाफोड़ किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। संयुक्त राज्य अमेरिका ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) सेल का भंडाफोड़ किया है, जो राष्ट्रपति की सुरक्षा को संभालने वाले सीक्रेट सर्विस सहित अमेरिकी खुफिया और सुरक्षा तंत्र में घुसपैठ की कोशिश में लगा था। 40 साल के एरियन तहेरजादेह और 35 वर्षीय हैदर अली को दक्षिण पूर्व वाशिंगटन में एफबीआई द्वारा गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ खुद को अमेरिकी अधिकारी बताकर सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश करने के आरोप हैं। अली ने कथित तौर पर गवाहों को बताया था कि वह आईएसआई से जुड़ा है। उसके पास पाकिस्तान और ईरान के कई वीजा भी थे।

ताहेरजादेह और अली पर आरोप हैं, कि उन्होंने अमेरिका के फेडरल लॉ एनफोर्मेंट डिपार्टमेंट और डिफेंस कम्युनिटी के सदस्यों के साथ जुड़ने के लिए अमेरिकी गृह मंत्रालय को अपनी गलत पहचान बताई है। तहरज़ादेह ने युनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस (यूएसएसएस) के सदस्यों और डीएचएस के कर्मचारी को किराए से मुक्त अपार्टमेंट भी प्रदान किए। अपार्टमेंट का सालाना किराया 40,000 डॉलर से अधिक है।

अदालत में पेश होने के दौरान, सहायक अमेरिकी अटॉर्नी जोशुआ रोथस्टीन ने कहा कि अली ने कहा कि एक आरोपी पाकिस्तान में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) एजेंसी से संबद्ध था और उसके पास पाकिस्तान और ईरान के कई वीजा थे। रोथस्टीन ने कहा, ''हमने उसके दावों की सत्यता की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उसने गवाहों के समक्ष दावा किया कि उसके पाकिस्तान की खुफिया सेवा आईएसआई के साथ संबंध हैं। ताहेरजादेह और अली पर आरोप हैं कि उन्होंने संघीय कानून प्रवर्तन और रक्षा समुदाय के सदस्यों के साथ संबंध बनाने के लिए अमेरिकी गृह मंत्रालय के साथ अपनी झूठी और कपटपूर्ण संबद्धता का उपयोग करने का प्रयास किया। उनके झांसे में आकर उनसे लाभ लेने वाले सीक्रेट सर्विस के चार सदस्यों को जांच लंबित रहने तक प्रशासनिक अवकाश पर भेजा गया है। ताहेरजादेह और अली को अगली सुनवाई तक हिरासत में लेने का आदेश दिया गया है।

# एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथियों को मिलेगा ऑटोमेटिक वर्क परमिट, भारतीयों को होगा फायदा

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी कांग्रेस की दो महिला सदस्यों ने प्रतिनिधि सभा में एक विधेयक पेश किया, जिसका उद्देश्य एच-4 वीजा धारकों के लिए काम करने का स्वतः अधिकार प्रदान करना है। एच-4 वीजा धारक, एच-1बी, एच-2ए, एच-2बी और एच-3 वीजा धारकों के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका आने वाले आश्रित पति-पत्नी और बच्चे होते हैं। वर्तमान नियम के तहत, एच-4 वीजा धारकों की केवल कुछ श्रेणियां ही रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज के लिए आवेदन कर सकती हैं।

अमेरिकी कांग्रेस की महिला सदस्यों कैरोलिन बॉर्डो और मारिया एलविरा सालाजार ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में एच-4 वर्क ऑथराइजेशन एक्ट पेश किया, जो मौजूदा कानून को बदलने और एच-1 बी वीजा रखने वाले अप्रवासियों के जीवनसाथी को एच-4 वीजा प्राप्त करने के साथ ही अमेरिका में काम करने का स्वचालित अधिकार प्रदान करता है। यह एक्ट एच-4 वीजा धारकों के लिए रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज फॉर्म I-765 के तहत आवेदन करने की आवश्यकता को खत्म कर देगा।

बिल पेश करने वाली महिला सांसदों ने कहा अमेरिका में बहुत सारे एम्प्लॉयर श्रमिकों की कमी का सामना कर रहे हैं। नया बिल श्रमिकों की कमी को भरेगा, रोजगार प्रदान करने में मदद करेगा और अप्रवासी परिवारों का जीवन आसान बनाएगा। सांसद कैरोलिन बॉर्डो ने एक बयान में कहा अभी, अत्यधिक कुशल अप्रवासियों की पत्नियों को संयुक्त राज्य में काम करने की अनुमति प्राप्त करने के लिए वर्षों तक नौकरशाही की लालफीताशाही का सामना करना पड़ता है।

यह बिल इन अनावश्यक बाधाओं को दूर करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अप्रवासी परिवार एक साथ अमेरिका की तरक्की में योगदान कर सकें और खुद भी समृद्ध हो सकें। कैरोलिन बॉर्डो ने कहा अगर हम प्रतिस्पर्धी बने रहना चाहते हैं और दुनिया भर के महानतम दिमागों और प्रतिभाओं को संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उच्च मूल्य वाले अप्रवासियों के परिवार के सदस्य अन्य सभी की तरह यूएस में जीवन और करियर बनाने में सक्षम हों। वर्तमान में, एच-4 वीजा धारकों को संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्क परमिट के लिए अलग से आवेदन कर अप्रूवल का इंतजार करना पड़ता है। यूएस सिटीजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) में बैकलॉग को देखते हुए, ईएडी (एम्प्लायमेंट अथराइजेशन डाक्टूमेंट) के लिए आवेदनों में 6 से 8 महीने तक का समय लगता है, कुछ आवेदनों को स्वीकृत होने में एक वर्ष से अधिक का समय लगता है। वर्क ऑथराइजेशन एक्ट यूएससीआईसी में वेटिंग टाइम को भी कम करेगा, क्योंकि एच-4 वीजा धारकों को ईएडी के लिए अलग से आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी।

# मुख्यमंत्री ने चैत्री नवरात्रि के पावन अवसर पर आद्यशक्ति अंबाजी मंदिर में माताजी के दर्शन किए

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रसिद्ध यात्राधाम अंबाजी में चैत्री नवरात्रि के पावन अवसर पर शुक्रवार को आद्यशक्ति माँ अम्बे के दर्शन किए तथा उनकी भक्तिभावपूर्वक पूजा-अर्चना की। पटेल ने आद्यशक्ति धाम अंबाजी मंदिर में शीष झुका कर साढ़े छह करोड़ गुजरातियों की सुख, समृद्धि एवं सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी प्रार्थना की कि माताजी जनहित के कार्य करने की शक्ति दें, गुजरात विकास के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ता रहे व उत्तम से सर्वोत्तम बने। इसके लिए माताजी के कृपा-आशीष बरसते रहें। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने माँ आद्यशक्ति के दर्शन करने के बाद अंबाजी मंदिर परिसर में एग्रो मॉल का शुभारंभ कराया। उन्होंने इसके साथ ही पब्लिक एड्रेस सिस्टम तथा गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड द्वारा विकसित अंबाजी मंदिर की मोबाइल ऐप का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने फ़ार्मर्स प्रोडयुसर ऑर्गेनाइज़ेशन के अंतर्गत पाँच लाभार्थियों को चाबियाँ अर्पित कीं और साथ ही विचरणशील व विमुक्त जाति की कुल 41 महिला लाभार्थियों को 80 वर्ग मीटर के प्लॉट की सनदों का वितरण भी किया। उल्लेखनीय है कि अंबाजी गाँव के आसपास रहने वाली मदारी, भरथरी तथा वादी जैसी विचरणशीलव विमुक्त जातियों के लोगों के परिवारों के लिए 'श्री शक्ति वसाहट' (बस्ती) का निर्माण हो रहा है। इस बस्ती में सरकार के सहयोग से पक्के आवासीय मकानों की सुविधा उपलब्ध होगी। इस अवसर पर सड़क एवं भवन मंत्री पूर्णेश मोदी, सांसद परबत पटेल, राज्यसभा के सदस्य दिनेश अनावाडिया, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, मुख्य सचिव पंकज कुमार, अरवल्ली ज़िला कलेक्टर आनंद पटेल, अरवल्ली ज़िला विकास अधिकारी स्वप्निल खरे, गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड के सचिव आर. आर. रावल, अरवल्ली ज़िला पुलिस अधीक्षक अक्षयराज मकवाणा सहित अधिकारीगण, पदाधिकारीगण एवं लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

# राज्य के दो कॉर्पोरेशन और दो जिलों में कोरोना के 20 नए मरीज, 7 लोग डिस्चार्ज

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में आज कोरोना के 20 नए मरीज सामने आए हैं, जबकि 7 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। नए केस दो कॉर्पोरेशन और 2 जिलों में दर्ज हुए हैं। जबकि 6 कॉर्पोरेशन और 31 जिलों में कोरोना का एक भी मामला सामने नहीं आया। राज्य में रिकवरी रेट 99.10 प्रतिशत पर बरकरार है। दूसरी ओर राज्य में 31394 नागरिकों का टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक 15 नए केस गांधीनगर कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैं। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन और गांधीनगर जिले में 2-2 तथा खेडा में कोरोना का एक मरीज सामने आया है। जबकि भावनगर, जामनगर, जूनागढ़, राजकोट, वडोदरा और सूरत समेत 6 महानगर पालिकाओं में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ। राज्य के 31 जिलों में कोरोना का एक भी मरीज पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ। इन जिलों में अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, कच्छ, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सूरत, सुरेन्द्रनगर, तापी, वडोदरा और वलसाड शामिल हैं। पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 4, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 2 और वलसाड में 1 समेत राज्य में 7 मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में अब तक 1212936 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10942 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है। फिलहाल राज्य में कोरोना के 86 सक्रिय मरीजों में 84 स्टेबल हैं और 2 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। टीकाकरण अभियान के तहत आज 18 वर्ष से अधिक आयु के 1184 लोगों को पहला और 13946 को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 300 किशोरों को पहली और 2597 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। 12 से 15 वर्षीय 6502 किशोरों को कोरोना का पहला टीका लगाया गया। जबकि 6865 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 10 करोड़ 64 लाख 42 हजार 454 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

# सरकार के मांगें स्वीकार करने के बाद डॉक्टर ने पांच दिनों से चल रही हड़ताल खत्म

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार के मांगें स्वीकार करने के बाद डॉक्टरों ने अपनी पांच दिन से चल रही हड़ताल खत्म कर दी और ड्यूटी पर लौट गए। बता दें कि गुजरात के सरकारी अस्पतालों में सेवारत करीब 10 हजार जितने डॉक्टर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले 5 दिनों से हड़ताल पर थे। शुक्रवार को सरकार और डॉक्टरों के बीच बातचीत के बाद हड़ताल खत्म होने से राज्य के हजारों मरीजों को बड़ी राहत मिली है। डॉक्टरों की हड़ताल की वजह से स्वास्थ्य सुविधाएं ठप हो गई थी। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बैठक के बाद कहा कि सरकार ने पहले भी डॉक्टरों की मांगों का निपटारा किया है और कुछ मांगों पर समय सीमा इत्यादि के मुद्दे थे, जिस पर डॉक्टरों के साथ बैठकर स्पष्टता कर दी गई है। उन्होंने कहा कि टीकू कमीशन इत्यादि के लाभ 30 तक मिलेंगे। राज्य के आयुष शिक्षकों के एनपीबीए के लिए अलग से विचार किया जाएगा। उन्होंने चार मुद्दों को लेकर स्थिति अस्पष्ट थी जिसका आज समाधान हो गया है। डॉक्टरों को सरकार पर भरोसा है कि उनकी मांगों का निश्चित समय सीमा में समाधान हो जाएगा।

# केवडिया में कल से दो दिवसीय राष्ट्रीय न्यायिक परिषद का आयोजन किया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) नर्मदा जिले के केवडिया में कल से दो दिवसीय राष्ट्रीय न्यायिक परिषद का आयोजन किया गया है। 9 और 10 अप्रैल को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निकट केवडिया कॉलोनी में मध्यस्थता और सूचना प्रौद्योगिकी विषय पर चर्चा की जाएगी। गुजरात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश अरविंद कुमार और हाईकोर्ट के अन्य न्यायधीशों के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय न्यायिक परिषद का आयोजन किया गया है। 9 अप्रैल को मध्यस्थता विषय पर तीन सत्र होंगे जबकि 10 अप्रैल को 2022 को सूचना प्रौद्योगिकी विषय पर दो सत्र होंगे। राष्ट्रीय न्यायिक परिषद के दूसरे दिन सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस डीवाय चंद्रचूड "फ्यूचर ऑफ जस्टिस-टेक्नोलोजी और ज्यूडिशियरी" विषय पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करेंगे। मध्यस्थता सत्रों में वाणिज्यिक मध्यस्थता के बारे में जानकारी और उससे लाभार्थियों को होनेवाले लाभ के साथ ही कोर्ट से जुड़ी मध्यस्थता संबंधित पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। केस दाखिल होने से पहले मध्यस्थता की प्रक्रिया और लाभ समेत ऑनलाइन मध्यस्थता पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय न्यायिक परिषद के उदघाटन के मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत समेत भारत के मुख्य न्यायधीश एनवी रमण उपस्थित रहेंगे। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और कानून मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी, भारत सरकार के कानून एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजु के अलावा सर्वोच्च अदालत के जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस एस अब्दुल नजीर, जस्टिस एम आर शाह, जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी परिषद में बतौर विशेष अतिथि शामिल होंगे और विभिन्न विषयों पर अपने अनुभव व विचार व्यक्त करेंगे। इस परिषद के विषय मुख्य न्यायधीश अरविंद द्वारा गुजरात हाईकोर्ट के न्यायधीशों के साथ परामर्श के बाद तय किए गए हैं।

# गुजरात भाजपा प्रमुख ने अगले विधानसभा सत्र में पशु नियंत्रण कानून रद्द करने का दिया आश्वासन

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने पशुपालकों को आश्वासन दिया है कि राज्य विधानसभा के आगामी सत्र में पशु नियंत्रण कानून रद्द कर दिया जाएगा। दरअसल राज्य के शहरों में आवारा पशुओं के आतंक से लोगों को मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से सरकार ने बजट सत्र के अंतिम दिन विधानसभा पशु नियंत्रण विधेयक पास किया था। विधेयक के पास होने पर पशुपालकों समेत कांग्रेस ने इसका कड़ा विरोध किया था और कहा था कि यह कानून पशुपालक विरोधी है। राज्यभर में इसका विरोध किया जाने पर प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र से विधेयक पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था। जिसके बाद गुजरात सरकार ने फिलहाल पशु नियंत्रण कानून का अमलीकरण स्थगित करने का फैसला किया था। लेकिन पशु नियंत्रण विधेयक स्थगित करने नहीं बल्कि इसे रद्द करने की पुरजोर मांग के बाद सीआर पाटील ने आश्वासन दिया है कि विधानसभा के आगामी सत्र में इसे रद्द कर दिया जाएगा। पाटील ने कहा कि विधानसभा सत्र पूर्ण हो चुका है, इसलिए फिलहाल इसे स्थगित किया गया है। लेकिन विधानसभा के आगामी सत्र में पशु नियंत्रण कानून को रद्द कर दिया जाएगा और इस संदर्भ में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से भी चर्चा कर ली है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात के लोगों को गाय पालने के लिए लाइसंस लेना पड़े और हजारों रुपए का जुर्माना भरना पड़े यह उचित नहीं है। गौरतलब है कि गुजरात विधानसभा में पशु नियंत्रण विधेयक पास होने के बाद राज्यभर में इसका कड़ा विरोध किया गया था। कलेक्ट्रेट और तहसीलदार तथा पालिका कचहरी पर बिल के विरोध में पशुपालकों ने प्रदर्शन किया था। पशुपालकों ने इसे काला कानून बताते हुए इसे तुरंत रद्द करने की मांग की थी।

# गुजरात हाईकोर्ट ने शहरों में गौचर जमीन की मांग करते पशुपालकों की याचिका ठुकराई

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट ने पशुपालकों की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने शहरों में पशुओं के लिए गौचर जमीन की मांग की थी। अपने आदेश में हाईकोर्ट ने कहा कि पशुओं की देखभाल, उन्हें चारा देना और रहने की जगह जिम्मेदारी पशुपालकों की है। शहरों में पशुओं को खुला छोड़ने की मंजूरी दी जा सकती। वडोदरा के पशुपालक ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिसमें पेशकश की गई थी कि वडोदरा महानगर पालिका की ओर से पशुओं के लिए गौचर की वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध करवाई जाए, जिससे आवारा पशुओं की समस्या का समाधान हो सके। वडोदरा महानगर पालिका द्वारा प्रति आवारा पशु रु. 1800 का जुर्माना वसूला जाता है, इसे कम किया जाए या फिर जुर्माने की रकम घटाई जाए। वडोदरा में घर घर जाकर पशु पंजीकरण की प्रक्रिया भी उचित तरीके से नहीं की गई। हाल ही में वडोदरा महानगर पालिका की ओर से एक अधिसूचना जारी की गई थी, जिसमें कहा गया था कि जिस पशु पंजीकरण कराया गया होगा, उसे ही छोड़ा जाएगा। जिनका पंजीकरण नहीं कराया गया होगा ऐसे पशुओं को छोड़ा नहीं जाएगा। महानगर पालिका के इस रवैये से पशुपालकों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आवारा पशुओं के मामले भारी भरकम जुर्माना भरने में गरीब पशुपालक सक्षम नहीं हैं। गुजरात हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पशुपालक अपने पशुओं के चारे पर एक रुपया खर्च नहीं करना चाहते। दूध दोहने के बाद पशुओं को छोड़ देते हैं और आवारा बनकर इधर उधर घूमता रहता है। प्लास्टिक समेत ऐसी चीजें खाते हैं जो पशुओं के हित में नहीं है। हाईकोर्ट को भी निर्दोष पशुओं के प्रति दया है, लेकिन पशुपालकों के प्रति नहीं। पशुपालक अपने पशुओं का उचित ध्यान नहीं रखते। पशुपालक अगर शहर में पशु रखकर दूध बेचकर रोजगार प्राप्त करते हैं, उन्हें अपने पशुओं के रहने और चारे की भी व्यवस्था करनी चाहिए। गांवों में प्रत्येक पशुपालक अपने पशुओं के रहने की व्यवस्था करते हैं और अपनी जमीन में ही उन्हें चरने के लिए छोड़ देते हैं। शहरों में जमीन का अभाव है ऐसे में पशुओं के लिए गौचर जमीन उपलब्ध कराना संभव नहीं है। हाईकोर्ट के न्यायधीश ने कहा कि अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत समेत बड़े शहरों में लोगों को रहने के लिए 10*10 के कमरे जितनी जगह मिलना मुश्किल है, ऐसे में पशुओं के लिए गौचर जमीन की व्यवस्था कैसे होगी। रह गई बात जुर्माने की तो इसे घटाने या बढ़ाने का अधिकार महानगर पालिका क्षेत्र में मनपा आयुक्त और नगर पालिका में मुख्य अधिकारी को है। जुर्माने की रकम और पशु पंजीकरण के बारे में पशुपालक संबंधित सत्ताधीशों के समक्ष पेश करें।

# मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने आम लोगों के साथ ली चाय की चुस्की

अहमदाबाद (ईएमएस) अंबाजी धाम के निकट स्थित कोटेश्वर के ग्रामजनों और बच्चों को शुक्रवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के सहज, सरल और निश्छल व्यक्तित्व का अद्भुत अनुभव हुआ। मुख्यमंत्री कोटेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद गब्बर में लाइट एंड साउंड शो सहित अन्य विकास कार्यों के लोकार्पण के लिए जा रहे थे। वे रास्ते में एक आम नागरिक की तरह अचानक एक दुकान पर खड़े रह गए और एक वृद्ध व्यक्ति के साथ आत्मीयता से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। यहां मौजूद बच्चों के साथ भी उन्होंने परिवार के बुजुर्ग की तरह संवाद कर उनकी शिक्षा और स्कूल की सुविधा आदि मामलों पर प्राथमिक जानकारी हासिल की। भूपेंद्र पटेल ने ग्रामीणों के साथ चाय की चुस्की ली और नास्ता भी किया। सड़क एवं भवन मंत्री पूर्णेश मोदी, राज्य मंत्री अरविंद रैयाणी और मुख्य सचिव पंकज कुमार भी इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ मौजूद थे।

# ज्यूरिख स्थित स्टार्टअप Sleepiz ने स्मार्ट वार्ड लॉन्च करने के लिए SMS अस्पताल के साथ सहयोग किया

अहमदाबाद : ज्यूरिख की मेडटेक स्टार्टअप **Sleepiz (Ltd.)** ने अहमदाबाद स्थित एएए अस्पताल के साथ अपनी नवीन तकनीक प्रस्तुत करने के लिए सहयोग किया है। इस तकनीक से किसी भी सामान्य वार्ड को स्मार्ट वार्ड में अपग्रेड किया जा सकता है ताकि अस्पताल में कोड ब्लू का जल्द पता लगाया जा सके और लोगों की जान बचाई जा सके।

कोड ब्लू, अस्पताल के वार्ड में अचानक ही मरीज की हालत बिगड़ने के संदर्भ का एक चिकित्सीय शब्द है, जो जीवन के लिए घातक क्षण है। यह दुनिया भर में एक गंभीर समस्या है। अस्पतालों में इनमें से अधिकांश मौतों को समय पर हस्तक्षेप करके रोका जा सकता है। हालांकि, वर्तमान मैनुअल निगरानी प्रक्रियाओं के साथ, इन घटनाओं की समय पर सूचना प्राप्त करना बहुत चुनौतीपूर्ण है। **Sleepiz** इन घटनाओं का जल्द से पता लगाने में सक्षम बनाने के लिए स्मार्ट चिकित्सा उपकरणों और **AI**-संचालित एल्गोरिदम का उपयोग करता है। किसी मरीज की हालत बिगड़ने की स्थिति में डॉक्टरों और नर्स को उनके फोन पर रीयल-टाइम (वास्तविक समय पर) सूचना मिलती है। नर्से इमीडीएट रिसपोन्स टीम (तत्काल प्रतिक्रिया टीम) को सक्रिय कर सकती हैं और ऐसी मौतों को रोकने के लिए समय पर कार्यवाही कर सकती हैं।

**Sleepiz** और एएए अस्पताल ने अहमदाबाद में इस नवीन तकनीक को लाने के लिए साझेदारी की है। उन्होंने केवल एक महीने में 191 समयोचित कार्यवाही के साथ 58 मरीजों का जान बचाई है।

**SMS** अस्पताल के साथ साझेदारी का नेतृत्व करने वाले एनार्ज के क्लिनिकल ऑपरेशन मैनेजर डॉ. रोशनी श्रीवास्तव ने कहा कि, **Sleepiz One±** गैर-संपर्क तरीके से श्वसन की निगरानी के लिए दुनिया का पहला एफ्डीए प्रमाणित उपकरण है। यह एकीकृत एज2 (ऑक्सीजन सैचुरेशन) सेंसर द्वारा संचालित है और निरंतर डेटा और ट्रेंड के विश्लेषण से पूरी तरह से नई अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। हमारी निरंतर मोनिटरिंग (निगरानी) तकनीक अस्पतालों को मरीजों के लिए पहले कभी उपलब्ध नहीं हुई ऐसी अभूतपूर्व देखभाल प्रदान करने में सक्षम बनाती है।


जल आपूर्ति विभाग, गुजरात सरकार

WASMO GWIL

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जल जीवन मिशन

हर घर जल

- गुजरात सरकार के दृढ़निश्चय, अटल निर्णय और आयोजन से वर्ष 2022 के अंत तक राज्य के सभी गाँवों को स्वच्छ, पर्याप्त और नियमित रूप से पानी प्राप्त होगा।
- राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के 94% से भी अधिक घरों में 'नल से जल' पहुँच रहा है।

100 प्रतिशत नल से जुडे जिले 16

100 प्रतिशत नल से जुड़ी तहसील 150

100 प्रतिशत नल से जुड़े गाँव 15,438

ग्राम स्तरीय जलापूर्ति योजनाओं के संबंध में पीने के पानी संबंधित शिकायत के लिए 24*7 टोल फ्री नंबर-1916 पर संपर्क करें


मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95